साप्ताहिक

राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

वर्ष-11, अंक-50

इन्दौर, सोमवार
11 नवम्बर से 17 नवंबर
2024 तक पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

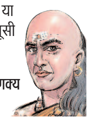

चौतरफा दबाब के बीच बैठकर जजों को काम करना पड़ता हैः डीवाई चंद्रचूड़

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के शीर्षस्थ न्यायाधीश रहे डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने कार्यकाल में कई ऐतिहासिक फैसले दिए हैं। अब रिटायर होने के बाद उन्होंने जजों पर बनाए जाने वाले दबाबों का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि जजों के ऊपर केवल राजनीतिक दबाव ही नहीं होता है। उनके ऊपर निजी हित समूहों का भी दबाव होता है। यह बात रिटायर्ड सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कही। उन्होंने कहा कि यह प्राइवेट इंट्रेस्ट ग्रुप्स न्यूज, टीवी और सोशल मीडिया का सहारा लेकर माहौल बनाते हैं। वह ऐसा प्रचारित करते हैं जिससे जज के ऊपर किसी खास तरह का फैसला करने का दबाव बन जाए।

डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यहां तक इस तरह से दबाव बनाने के लिए ट्रोलिंग की जाती है। सोशल मीडिया के जरिए हमले किए जाते हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने यह भी कहाकि हालांकि सीजेआई और सभी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को प्रशासनिक पक्ष में सरकार के साथ काम करने की जरूरत है। उन्होंने ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर और सरकारी फंड्स को लेकर किए गए अपने सुधारों को याद किया।

इसके अलावा सरकारों से राय लेने में कोर्ट और एग्जीक्यूटिव्स के बीच मतभेदों को सुलझाने में अहम होता है। पूर्व सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम और सरकार के बीच उपजे मतभेद का हवाला दिया जो कई बार सुर्खियों में रहा। हालांकि उन्होंने यह भी कहाकि सभी मतभेद सुलझाए भी नहीं जा सकते। उन्होंने कहाकि इसका सबसे अच्छा उदाहरण है कि सरकार अभी भी वकील सौरभ किरपाल को हाई कोर्ट का जज बनाने को राजी नहीं है। डीवाई चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि न्याय व्यवस्था की आजादी को मापने का सिर्फ यह पैमाना नहीं होना चाहिए कि कितने फैसले सरकार के खिलाफ दिए गए। वह शनिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट से रिटायर होने वाले पूर्व सीजेआई ने इस दौरान अपने फैसलों पर भी बात की। उन्होंने कहाकि मुझे लगता है कि मैंने एक बैलेंस बनाने की कोशिश की है। डीवाई चंद्रचूड़ ने कहाकि मैंने हमेशा फैसले किसी खास विचार से प्रभावित होकर नहीं, बल्कि अपनी न्यायिक समझ के आधार पर ही दिया है।

गडकरी ने फिर साधा निशाना बोले-

भाजपा की फसल में कीड़े हैं, पेस्टिसाइड की जरुरत

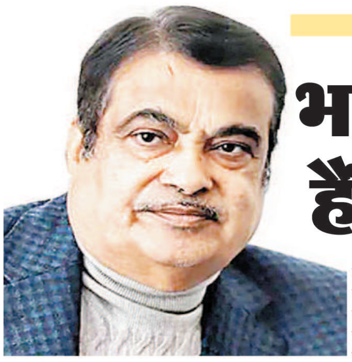

मुंबई (एजेंसी)। एक बार फिर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का बयान चर्चा में आ गया। गडकरी खुद राज्य की नागपुर सीट से सांसद हैं। वह राज्य सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं। एक निजी चैनल से बातचीत में नितिन गडकरी ने कहा कि वह जब कोई फसल बढ़ती है तो उसमें कीड़े भी ज्यादा लगते हैं। उन्होंने कहा कि बीते दिनों में भाजपा की फसल काफी बढ़ी है और इसमें कुछ दागी नेता भी आ गए हैं। इस कारण फसल को बीमारी मुक्त करने के लिए कीटनाशक का छिड़काव करने की जरूरत है। गडकरी ने भाजपा के तेज गति से विस्तार को संदर्भ में कहा कि पार्टी के पास कई तरह की फसल है। इससे काफी अच्छी पैदावार होती है लेकिन इसके साथ कुछ बीमारियां भी आती हैं। ऐसे में हमें बीमारी वाली फसलों पर कीटनाशक के छिड़काव की जरूरत है। उन्होंने आगे भाजपा की एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी है कि वे नए नेताओं को वैचारिक ट्रेनिंग दें। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। अलग-अलग कारणों से लोग भाजपा में आ रह हैं। यह हमारी जम्मेदारी है कि हम उन्हें ट्रेनिंग दें। उनमें विचारधारा भरें और उन्हें अपना कार्यकर्ता बनाएं। इस दिशा में हमारी कोशिश चलती रहती है। नितिन गडकरी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भाजपा राज्य में शिवेसना शिंदे गुट और अजीत पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। एनसीपी नेता अजीत पवार पर भ्रष्टाचार के आरोप

ट्रंप ने कमला हैरिस पर कसा तंज कहा-

कर्ज बढ़ गया है, बोलो तो कुछ पैसे भेज दूं

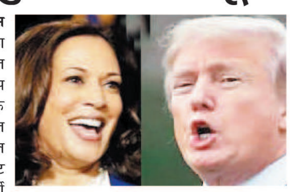

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी ऐतिहासिक जीत से बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए डेमोक्रेट पार्टी की उपराष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस पर तंज कसा है। ट्रंप ने लिखा, मैं हैरान हूं कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में जिन्होंने जमकर प्रचार किया और रिकॉर्ड चुनावी चंदा जुटाया, आज उनके पास कुछ भी नहीं बचा है। वह कंगाल हो गई हैं। ट्रंप के इस बयान से उनके विरोधी डेमोक्रेट पार्टी और कमला हैरिस पर निशाना साधा गया है। कमला हैरिस ने 2020 के चुनाव प्रचार के लिए लगभग एक अरब डॉलर का फंड जुटाया था। रिपोर्टों के मुताबिक, चुनावी अभियान के दौरान डेमोक्रेट पार्टी ने इस फंड को बेतहाशा खर्च किया, लेकिन हार के बाद पार्टी के भीतर वित्तीय संकट उभरने लगा है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कमला हैरिस और डेमोक्रेट पार्टी पर करीब दो करोड़ डॉलर का कर्ज चढ़ गया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुद्दे पर कमला हैरिस की मदद करने का दावा करते हुए पोस्ट में कहा, हमारे पास पर्याप्त पैसा है और हम इस कठिन समय में कमला की सहायता करना चाहते हैं। ट्रंप ने अपनी पार्टी की वित्तीय स्थिति पर भी जोर देते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उनकी सबसे बड़ी संपत्ति 'अर्न मीडिया' थी, जिस पर उन्हें बहुत ज्यादा खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ी। इसके अलावा, ट्रंप ने आरोप लगाया कि डेमोक्रेट पार्टी ने अपने चुनावी अभियान में कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई और पैसे बेतहाशा खर्च किए। एक पूर्व डेमोक्रेट नेता ने कहा, हमने बेवकूफों की तरह पैसे खर्च किए और हमारे पास कोई रणनीति नहीं थी।

जापान में भारी बारिश के कारण हाई अलर्ट जारी

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान की मौसम एजेंसी ने रविवार को दक्षिणी प्रांत में हो रही तेज बारिश को लेकर ओकिनावा निवासियों से भूस्खलन और अन्य आपदाओं के लिए हाई अलर्ट पर रहने का आग्रह किया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने कहा कि नम हवा बहने के कारण रविवार को ओकिनावा में वायुमंडलीय स्थितियां बहुत अस्थिर हैं।

महाराष्ट्र की जनता को महाविकास अघाड़ी ने दी 5 बड़ी गारंटियां

मुंबई (एजेंसी)। महाविकास आघाड़ी ने की गारंटियों की घोषणाएं करते हुए खड़गे ने कहा, %महाराष्ट्र में लोग महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों से परेशान हैं। राज्य के किसान भी बदहाल हैं। इसीलिए हमने महाराष्ट्र की तरक्की और खुशहाली के लिए अपना मेनिफेस्टो महाराष्ट्रनामा लॉन्च किया है। महाविकास अघाड़ी गठबंधन ने रविवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र महाराष्ट्रनामा जारी किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महाविकास आघाड़ी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में गठबंधन का घोषणापत्र जारी किया।

घोषणापत्र में एमवीए ने महिलाओं को हर महीने 3000 रुपए देने का वादा किया है। इसके अलावा युवाओं को 4000 रुपए मासिक स्टाइपेंड देने की बात कही है। किसानों के लिए भी घोषणाएं की गयी है। महाविकास आघाड़ी ने की गारंटियों की घोषणाएं करते हुए खड़गे ने कहा, महाराष्ट्र में लोग महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों से परेशान हैं। राज्य के किसान भी बदहाल हैं। इसीलिए हमने महाराष्ट्र की तरक्की और खुशहाली के लिए अपना मेनिफेस्टो महाराष्ट्रनामा लॉन्च किया है। महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 3000 रुपए दिए जाएंगे।

सीएम भजनलाल की फिसली जुबान बोले-

राहुल अपने पापा को लाएं तो भी नहीं हटेगी धार 370

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में सात सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। यहां भाजपा और कांग्रेस दोनो ही चुनाव प्रचार में लगे हुए है। चुनावी सभाएं और रैलियां करते करते इनकी जुबान भी फिसलने लगी है। मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि आपने देखा होगा कि जम्मू कश्मीर में कांग्रेस के लोग उन लोगों के साथ खड़े हैं जो कह रहे हैं कि धारा 370 को हटाएंगे। क्या ये हटा पाएंगे क्या? मैं आपसे पूछना चाहता हूं। राहुल गांधी जी आपकी तो बात छोड़िए, आप अपने पापा जी को भी ले आएं तो भी कश्मीर से धारा 370 नहीं हट सकती है। जबकि धारा 370 हट चुकी है और उसे फिर से लागू करने की बात हो रही है। सीएम को बोलना था कि धारा 370 लगाना थी बोल गए 370 हटाएंगे। सीएम भजनलाल ने धारा 370 को खत्म करने के फैसले को मोदी सरकार द्वारा लिए गए प्रमुख फैसलों में से एक बताया। इस दौरान सीएम भजनलाल ने कहा, हमने राममंदिर की तारीख भी बताई और मंदिर भी बनाकर दिया। कांग्रेस देश में भ्रष्टाचार की जननी है। कांग्रेसी को नफरती भाषा पसंद है। राजस्थान में जब कन्हैया लाल की मौत हुई तो यह कांग्रेसी मुंह पर टेप लगाकर बैठ गए थे।

दिल्ली के मछली और मांस बाजारों में छापेमारी हुई तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा वक्त में दिल्ली में मछली और मांस बाजारों में छापेमारी अभियान जोरों पर है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि दिल्ली सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने मानदंडों और स्वच्छता मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए राष्ट्रीय राजधानी के मछली और मांस बाजारों में छापेमारी तेज कर दी है। विभाग के अधिकारी छापेमारी के दौरान मछली, चिकन और अन्य मांस उत्पादों के सेंपल जमा कर रहे हैं। नियमों के उल्लंघन पर नोटिस भी जारी कर रहे हैं। घटनाक्रम से अवगत अधिकारियों ने बताया कि मछली, चिकन और अन्य मांस उत्पादों के नमूने एकत्र करने और दुकानों का निरीक्षण करने के लिए इस हफ्ते की शुरुआत में एक विशेष अभियान चलाया गया।

ट्रंप के सामने ये नई चुनौती

अमेरिका में होगी सेक्स हड़ताल

न कोई रिलेशन बनाएगा और न बच्चे पैदा करेगा

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद गर्भपात के अधिकारों को लेकर चिंतित महिलाओं ने एक असामान्य विरोध के रूप में सेक्स हड़ताल का निर्णय लिया है। हड़ताल के दौरान न कोई रिलेशन बनाएगा और न बच्चे पैदा करेगा। विरोध जताने वाली महिलाओं का कहना है कि ट्रंप की नीतियां महिलाओं के लिए खतरनाक हैं, और इस कारण वे इस असामान्य विरोध का सहारा ले रही हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी चुनाव के दौरान ट्रंप पर महिलाओं पर प्रतिबंध लगाने के प्रयासों का आरोप लगाया था और कहा था कि वह गर्भपात के अधिकारों को समाप्त करना चाहते हैं। ट्रंप के विरोधी उन्हें महिलाओं के अधिकारों पर रोक लगाने और उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के लिए आलोचना का पात्र मानते हैं। ट्रंप की दोबारा जीत से अमेरिका में महिलाओं के अधिकारों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह हड़ताल कोरिया के नारीवादी 4बी आंदोलन से प्रेरित है, जो लैंगिक असमानता को चुनौती देने के लिए पुरुषों से यौन संबंधों से दूर रहने का समर्थन करता है। 4बी आंदोलन, जो 2019 में दक्षिण कोरिया में शुरू हुआ था, महिलाओं को चार प्रमुख प्रतिज्ञाओं पर जोर देता है - कोई सेक्स नहीं (बिसेकसु), कोई डेटिंग नहीं (बियोनाए), कोई शादी नहीं (बिहोन) और पुरुषों के साथ बच्चों का उत्पादन नहीं करना (बिचुलसन)। दक्षिण कोरिया में शुरू हुए इस आंदोलन का उद्देश्य पितृसत्तात्मक समाज को चुनौती देना था। इसका मानना है कि विरोध के माध्यम से जन्म दर में गिरावट आएगी, जिससे जनसंख्या पर असर पड़ेगा। अब अमेरिका में ट्रंप की जीत के बाद, कुछ महिलाओं ने इसी आंदोलन की तर्ज पर अपने विरोध का इज़हार किया है।

अजित पवार की भाजपा को दो टूक कहा-

बंटेंगे तो कटेंगे का नारा यूपी, झारखंड में चलाइए महाराष्ट्र में नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार भाजपा से खुश नहीं हैं। उन्हे मौका मिलता है तो खरी खरी सुनाने में देर नहीं करते है। हाल ही में उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे पर उन्होंने साफ कहा के बंटेंगे तो कटेंगे उप्र और झारखंड में चलता होगा।

यहां महाराष्ट्र में नहीं चल सकता है। बता दें कि अजित पवार भाजपा के सहयोग से बनी महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री का दायित्व संभाल रहे हैं।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस बीच एनसीपी के मुखिया अजित पवार ने सीएम योगी के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान पर कहा, मैं उसका समर्थन नहीं करता हूं। महाराष्ट्र में ये नहीं चलता है। ये यूपी या झारखंड या कहीं और चलता होगा, यहां नहीं चलता। अजित पवार ने बंटेंगे तो कटेंगे के जवाब में कहा, सबका साथ सबका विकास। बता दें कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बयान बंटेंगे तो कटेंगे न सिर्फ यूपी बल्कि महाराष्ट्र में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ नेता इसका समर्थन कर रहे हैं तो वहीं कुछ इसके खिलाफ हैं। एनसीपी चीफ अजित पवार लगातार इस बयान से किनारा करते नजर आ रहे हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में बाहर के लोग आकर ऐसे विचार बोल जाते हैं, दूसरे राज्यों के बीजेपी सीएम तय करें कि उन्हें क्या बोलना है।

अजित पवार ने कहा कि हम महायुति में एक साथ काम कर रहे हैं, लेकिन हमारी पार्टियों की विचारधारा अलग-अलग है। हो सकता है कि दूसरे राज्यों में यह सब चलता हो, लेकिन महाराष्ट्र में ये काम नहीं करता। दूसरे राज्यों के बीजेपी मुख्यमंत्रियों को तय करना चाहिए कि क्या बोलना है। वहीं, शिवसेना (शिंदे गुट) नेता संजय निरूपम ने कहा है कि योगी आदित्यनाथ कह रहे हैं कि अगर आप बिखर जाते हैं, तो कमजोर हो जाते हैं। अगर आप एकजुट रहते हैं, तो मजबूत रहते हैं। उन्होंने कहा कि अजीत दादा आज नहीं समझ रहे हैं, आगे समझ जाएंगे। बंटेंगे तो कटेंगे ये लाइन बिल्कुल चलेगी। अजित दादा को समझना पड़ेगा. सीएम योगी कोई गलत बात नहीं कर रहे हैं, इसे समझने में कुछ लोगों को समय लग सकता है। पीएम मोदी ने जहां एक रहेंगे सेफ रहेंगे का नारा दिया है, तो वहीं योगी आदित्यनाथ लगातार बंटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो नेक रहेंगे का नारा दे रहे हैं। योगी आदित्यनाथ के नारे पर एनडीए के ही साथी अजित पवार सवाल उठा रहे हैं। इससे पहले अजित पवार ने कहा था कि महाराष्ट्र शिवाजी, आंबेडकर, शाहू जी महाराज की धरती है।

कहानी

क्षेत्र से बाहर

''चुपचाप रहो, बोले जा रहे हो, हम भी प्रशासन के आदमी हैं. हम अपना कर्तव्य जानते हैं. समझे. अब बीच में टोका-टोकी करी न तो शासकीय काम में बाधा डालने के चक्कर में एफ.आई.आर. दर्ज कर दूंगा. फिर अदालत के चक्कर काटते रहना.'' आखिर थानेदार सुबेदारसिंह नाराज होकर बोले.''माफ़ करिये सर, अब नहीं बोलूंगा.'' क्षमा मांगकर वह ड्राईवर चुप हो गया. फिर थानेदार सुबेदारसिंह ने लाश का एक चक्कर लगाया. सिर से खून बहकर सड़क पर जमकर काला हो चुका था. फिर अपने साथ आये साथी पुलिस से बोला- रामलखन.''जी सर.'' रामलखन सावधान की मुद्रा में खड़ा हो गया और अगले आदेश की प्रतीक्षा करने लगा. ''यह बताओ, अपने जगरे थाने की सीमा कहाँ से प्रारंभ हो रही हैं.'' ''इस पुल से उस किनारे से सर, जहां जगरे थाने की सीमा समाप्त का बोर्ड लगा हुआ हैं. ''अर्थात् ये पुल अपने सीमांकन में नहीं आता हैं.'' ''हाँ सर, यह पुल सुहासी थाने के अन्तर्गत आता हैं.'' रामलखन ने हाँ में हाँ मिलाते हुए कहां. ''अर्थात् इस युवक की मौत उस थाने की सीमा के अन्तर्गत हुई.'' ''हाँ सर, इस युवक की मौत सुहानी थाने की सीमा में हुई.'' रामलखन वाक्य दोहराते हुए बोल. ''अर्थात् लाश का पंचनामा बनाकर उठाने का दायित्व सुहानी थाने का हैं.'' ''हाँ सर, उसी थाने का हैं.'' रामलखन ने स्वर मिलाते हुए कहां.'' ''तब सुहानी थाने को सूचित करो आपके क्षेत्र सीमा ने इस सकरे पुल पर एक युवक ट्रक की चपेट में आकर मर गया हैं. आकर पंचनामा बनाकर लाश को पोस्टमार्टम हेतु ले जाये.'' थानेदार सुबेदार सिंह ने यह आदेश देकर अपने कर्तव्य का पालन कर दिया. तब तक पुल के दोनों तरफ लम्बा जाम लग चुका था. पुल इतना सकरा था कि एक समय में आमने-सामने से एक-एक ट्रक ही निकल सकते. उस युवक की एक्सीडेन्ट से मौत हुई उसका वाहन पुल के बीच में पड़ा था. तथा उसकी लाश भी बीच में थी. अतः साइड में से ट्रक भी नहीं निकल सकते थे. आखिर उस भीड़ से किसी व्यक्ति से न रह गया. वह नाराज होकर बोला- क्या पुलिस होने के नाते आपका दायित्व नहीं बनता है कि आप चालान बनाकर लाश का पंचनामा बनाए और लाश को उठाये और जाम से निजात दिलाये. ''कौन नेतागिरी कर रहा हैं, बाहर आ बताता हूँ उसकी नेतागिरी.'' थानेदार सुबेदारसिंह ने उस भीड़ को संबोधित करते हुए कहाँ- यह हमारे क्षेत्र से बाहर का प्रकरण हैं. अतः क़ानूनन इसमें हम हाथ नहीं डाल सकते हैं. तब भी भीड़ में से किसी व्यक्ति ने कहाँ- देखिये हम इतने परेशान हो रहे है. आप हमारी परेशानी नहीं समझ रहे हैं. ''हम भी क़ानून के आगे लाचार हैं.'' असमर्थता दिखाते हुए थानेदार सुबेदारसिंह बोले.''साहब, आपसे निवेदन है कि आप सारी कार्यवाही कर लो. वो थाना यहाँ से 25 किलो मीटर दूर हैं. आखिर आने में समय लगेगा. तब तक क्या हम जाम में फंसे रहेंगे.''देखों मुझे क़ानून उलघंन की बाते मत सिखाओ. कल से मुझ पर कोई ऑच आयेगी तो क्या आप लोग बचाने आयेंगे ?'' थानेदार सुबेदारसिंह ने जवाब का खण्डन करते हुए कहां- मुझे शासन के नियमानुसार काम करने दो. ''आप अपना काम नियमानुसार जल्दी करिये न.'' किसी तीसरे व्यक्ति ने कहाँ. ''फिर वही बात. जब तुम लोगों को कह दिया. क्षेत्र से बाहर का प्रकरण हैं. हम इसमें दखल नहीं दे सकते हैं. फिर भी तुम लोग पीछे पड़े हुए हो ? ''सर हम यह कह रहे हैं, आप अपना काम जल्दी कराईये.'' एक वृद्ध ने यह कहां.''हमने उस थाने को सूचना भिजवा दी हैं. वे लोग आ रहे हैं. कार्यवाही उसके बाद होगी ?'' फिर थानेदार सुबेदारसिंह ने वही बात दोहराई. ''दो थानों के बीच अजीब पेंच फंसा हुआ हैं.'' उस वृद्ध आदमी ने फिर दोहराते हुए कही - जब तक उस थाने की टीम नहीं आयेगी तब तक कुछ न होगा. ''हाँ कुछ न होगा'' ज़रा नाराजी से थानेदार सुबेदार सिंह बोले. ''ये भी अजीब का कानून हैं.'' किसी व्यक्ति ने फिर इसी बात को दोहराया. ''जब क़ानून को नहीं मालूम हैं तब आप लोग बीच में दखल क्यों दे रहे हैं ?'' डांटते हुए थानेदार सुबेदार सिंह बोले- आप लोग पुलिस की मदद करने के बजाय बहस कर रहे हैं. जाईये, आप अपने-अपने वाहन में पुलिस को अपना काम करने दे. कितनी बार कहाँ हैं. यह प्रकरण हमारी पुलिस क्षेत्र की सीमा से बाहर का हैं. फिर भी हमारे काम में दखल दे रहे हैं. जाते हो कि नहीं. बस फिर भीड़ ने बहस करना उचित नहीं समझा. और वहां से चली गई. अकेले रह गये थानेदार सुबेदार सिंह और पुलिस वाला राम लखन. दोनों के बीच गुप्त मंत्रणा होती रही. आखिर दो घण्टे बाद सुहासी थाने की पुलिस आई. मौके का मुआयना किया. पंचनामा बनाकर लाश उठाई. और लाश को पोस्टमार्टम हेतु ले गई. चार घन्टे तक उस पुल पर जाम लगा रहा. मगर प्रकरण क्षेत्र से बाहर होने के कारण पेचीदियों में उलझा रहा.

रमेश मनोहरा
कहानी अप्रकाशित। मौलिक हैं.
शीतला माता गली, जावरा (म.प्र.)
457226 जिला रतलाम
मोबा.-9479662215, 7999890997

मैं तुम्हारे साथ हूँ

पिता की चिट्ठी और जीवन की सबक प्रतिवर्ष मैं अपने माता पिता के साथ को गर्मी की छुट्टियों में नाना नानी के घर जाते। 10-20 दिन माँ के साथ वहीं रहते और फिर लौट आते। ऐसा प्रतिवर्ष चलता रहा। जब मैं बड़ा हो गया। एक दिन मैं अपने माता पिता से कहा कि अब मैं अकेला भी नानी के घर जा सकता हूंतो आप मुझे अकेले को नानी के घर जाने दो। माता पिता पहले तो राजी नहीं हुए। परंतु मेने जब जोर दिया तो उसको सारी सावधानी समझाते हुए अनुमति दे दी।जाने का दिन आया। मेरे को छोड़ने स्टेशन पर गए। बस में उसको सीट पर बिठाया। फिर.कंडक्टर को.कुछ कहा बाहर आकर खिड़की में से उससे बात की मुझको फिर सारी सावधानियां फिर से समझाई। मेने ने कहा कि मुझे सब याद है। आप चिंता मत करो। बस को कंडक्टर ने बस चलने को सिटी दी। तब पिता ने एक लिफाफा पुत्र को दिया कि बेटा अगर रास्ते में तुझे डर लगे तो यह लिफाफा खोल कर इसमें जो लिखा उसको पढ़ना मेने पत्र जेब में रख लिया। पिता ने हाथ हिलाकर विदा किया। बस चलती रही। हर स्टेशन पर लोग आते रहे पुराने उतरते रहे। सबके साथ कोई न कोई था। अब मुझे को अकेलापन लगा। बस में अगले स्टेशन पर ऐसी शख्सियत आई जिसका चेहरा भयानक था।मेरी पास वाली सीट पर बैठ गया! पहली बार बिना माता-पिता के, बिना किसी सहयोगी के, यात्रा कर रहा था। में अपनी आंखें बंद कर सोने का प्रयास किया परंतु बार-बार वह चेहरा उसकी आंखों के सामने घूमने लगा। में भयभीत हो गया। रुंआसा हो गया। तब उसको पिता की चिट्ठी याद आई। मेने जेब में हाथ डाला। हाथ कांप रहा था। पत्र निकाला लिफाफा खोला। पढा पिता ने लिखा था तू डर मत मैं इसके बाद वाली बस में आ रहा हूँ मेरे ड्राइवर को तुमको सीट बैठने के बाद बोला फिर मेरा चेहरा खिल उठा। सब डर दूर हो गया। मित्रों, जीवन भी ऐसा ही है। जब भगवान ने हमको इस दुनिया में भेजा उस समय उन्होंने हमको भी एक पत्र दिया है, जिसमें लिखा है, उदास मत होना, मैं हर पल, हर क्षण, हर जगह तुम्हारे साथ हूं। पूरी यात्रा तुम्हारे साथ करता हूँ। वह हमेशा हमारे साथ हैं। **अन्तिम श्वास तक।**

अजय कुमार बियानी

राजा की रामराजी मानसिकता

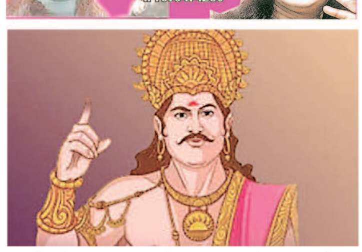

गली-गली मुनादी पिटवा दी गई। पाँच वर्ष तक दाल-भात फ्री। सुन कर प्रजा जन नृत्य करने लगे। स्वाभाविक है ये वो लोग थे जिनके लिए उदरपूर्ति एक समस्या थी। वे कई वर्षों से रोटी मांग रहे थे उनके पुरखे सिखाकर गए ये कि रोटी मेहनत की होनी चाहिए। कमाओ फिर खाओ। अगली पुश्तों के लिए न जोड़ सको तो अपनी ज़िंदगी के लिए कमाओ । इतना भी न कर सको तो कम से कम रोज के रोज कमा कर अपना व परिवार का पेट पालो। इसलिए वे रोजीरोटी मांगते रहें। दरअसल प्रजा में रोटी मांगने के संस्कार नहीं थे लिहाजा वह रोजी मांगने लगी। हफ़्ते में एक दिन राजा सबको फ्री भोजन देता है । नगर में यह बात जंगल में आग की तरह फैल गई। राजा को भूखों की दुआएं मिलने लगीं। चारों ओर उसकी कीर्ति फैलने लगी। चाटुकारों ने कोशिश भर दोहरा झुक कर राजा के कान में एक शानदार वाक्य बोला - राजन दुआएँ बहुत आ रही हैं। इन्हें कहां रखूँ। अगर दुआओं को संभाल कर नहीं रखा तो वे गुम हो जाएँगी। ऐन उस वक़्त, जब सरकार को उनकी ज़रूरत होगी, दुआएँ ग़ायब हो जाएंगीं। आप कहें तो बक्से बनवा दूँ। इन बक्सों में दुआएँ भर ली जाएंगी और ज़रूरत के समय बक़्से ही भगवान के यहाँ पहुँचा दिए जायेंगे। राजा के हुक्म से बक्से बनवाए गए। राजकाज अच्छा चल रहा था। जो कभी घर से प्याज-रोटी लेकर दिहाड़ी की तलाश में निकलते थे वे अब मुँह में गुटखा दाब कर जेब में हाथ डाल कर घर से निकलने लगे। रोटी का इंतजाम था ही। सारे नगर में बस दाल-रोटी खाओ हरि के गुन गाओ की धूम मची थी । कित्ती बढ़िया तो धुन है! सब गाते हैं तो मज़ा आ जाता हैं। राजा था देशप्रेमी। प्रजा का दुख-दर्द जानने का शौकीन्। एक दिन राजा रात्रि भ्रमण को निकला। उसने लोगों को कहते सुना ' यार कोई रोज-. रोज दाल-रोटी कैसे खा सकता है! कभी - कभी सब्ज़ी भी मिलनी चाहिए। हमें ऐसा राजा चाहिए जो दाल के साथ सब्जी भी दे। भले ही सस्ती वाली हो। आखिर हम भी इंसान हैं। जानवर थोड़े हैं! हमें ऐसा राजा नहीं चाहिए जो केवल दाल-रोटी दे। इस बार हम राजा बदल देंगे। हमें ऐसा राजा चाहिए जो दाल के साथ कम से कम एक सूखी सब्जी दे।' राजा ने ध्यान से सुना। राजा था देशप्रेमी। समझ गया जनता दुखी है। उसे सब्जी चाहिए। अगले दिन उसने दरबार लगाया और मंत्री को आदेश दिया हर नागरिक को मुफ्त सब्ज़ी दी जाए। मंत्री ने समझाना चाहे,महाराज, मुफ्त में दिया जाने वाला भोजन का उद्देश्य नागरिकों का पेट भरना मात्र है, ताकि कोई जन भूखा न सोए। रसना को संतुष्ट करने का कार्य नागरिक को स्वयं करना होगा। बल्कि यह कार्य ही उसे परिश्रम को प्रेरित करेगा। दाल वाला आलू मटर के लिए और आलू टमामटर के लिए, आलू टमामटर वाला आलू-गोभी - मटर के लिए और और यह सब पाने वाला मटर - पनीर के लिए मेहनत करेगा। सलाह अच्छी थी। राजा था देशप्रेमी। वह देश को परिवार मानता था। वह सचमुच चाहता था कि प्रजा की भलाई हो। उदरपूर्ति की ही भांति उसकी रसना को भी तुष्ट किया जाना चाहिए। उसने राजकोष पर एक उड़ती सी नजर डाली और अपने अनुचरों को सब्जी देने का आदेश दे दिया। प्रजाजन जै जै कार कर उठे। मुफ्त में दाल-रोटी के साथ सब्जी भी थी। सब तरफ राजा की सदाशयता के चर्चे थे। राजा अपने महल की सबसे ऊँची अट्टालिका पर खडा होकर पूरा नगर निहारता उसे हर कोई भोजन की थाली हाथ में लिए दिखता। राजा आनंदित होता। नगर में कोई भूखा नहीं है। सब के पेट भरे हैं। रसना संतुष्ट है। बढ़िया। राजा सोने चला गया। एक दिन फिर उसे ख्याल आया, बहुत दिन हुए वह प्रजा के बीच वेष बदल कर हाल जानने नहीं गया। दरसल, ये वेष बदलने का काम आए दिन होने लगा था, तो उसे याद ही न रहा कि यह गतिविधि प्रजा को चकमा देने के लिए होती है। उसने तय किया और पहुँच गया नगर के चौराहों से होते हुए गलियों तक। उसने फिर किसी सुना, राजा अपना है बढ़िया, कुछ करो न करो ; सबको भरपेट भोजन मिलता है। दूसरा बोला, काहे का भरपेट भोजन वही दाल रोटी एक सब्ज़ी, क्या रायता दिया ! खीर दी ! पहला वही तो ! दूसरा फिर काहे का अच्छा राजा । हमें ऐसा राजा नहीं चाहिए जो केवल दाल, सब्जी और रोटी दे। हम इस राजा को बदल देंगे। हाँ, हां बदल देंगे। अगले दिन राजा ने दरबार में मुफ्त भोजन वोली स्कीम में रायता और खीर जोड़ने की बात की। मंत्री ने बही खाता सामने रखा। राजा ने उस पर उडती सी एक नज़र डाली और आदेश दे दिये। प्रजा गद्गद् हो गई। हमारा राजा कैसा हो जैसे नारे चारों तरफ़ गूँजने लगे । यह गूंज नगर की सीमाओं से टकराकर अपनी आवृत्तियाँ बढाने लगी। राजा था देशप्रेमी। उसने कालान्तर में अपने नागरिकों की सभी मौलिक आवश्यकताओं को बड़े टोकरे में भरा और नगर भर में घर-घर जाकर बाँट आया कुछ ही वर्षों में देश की दशा बदल गई द्य जनता कहने लगी यही रामराज्य है। सब जरूरतें बैठे-बैठे पूरी हो जाएँ। यही तो सच्चा सुख है। दरसल प्रजा आरामराज्य को ही रामराज्य समझने लगी थी।

उसके लिए राम, अब आराम में प्रतिष्ठित हो चुके थे। देशप्रेम के मारे राजा ने वह कर दिया था जो अब तक कोई नहीं कर सका था। उसने राम का विलोम सृजित कर दिया था, ऐसा विलोम जो रावण से भी भयंकर था द्य उसके अनेक मुख हैं और रसना सदा मुफ़्त का खाने को लपलपाती रहती है द्य सिंहासन की चाह ने अब यह पक्का कर दिया है कि राजा कोई भी बने प्रजा को आराम राज्य मिलता रहेगा

साहित्य उर्फ़ उफ़ उफ़

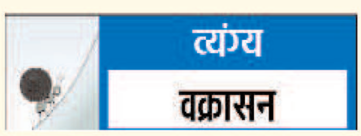

एक खबर जो वायरल हो रही है- साहित्य जगत में आज तक जो नहीं हुआ, वह अब होने को जा रहा है। एक प्रसिद्ध न्यूज़ चैनल ग्रुप ने अपने वार्षिक साहित्य सम्मेलन में एक कुख्यात साहित्य प्रेमी महिला को आमंत्रित किया है, अपने कार्यक्रम को एक नई गिरावट दर्ज करवाने के लिए। जो साहित्यकार इस कार्यक्रम में शरीक हो रहे हैं, उनके लिए यह स्थिति सांप-छछूंदर जैसी हो गई है... न निगलते बन रही है, न उगलते। खैर, हमें तो आमंत्रण नहीं मिला इस सम्मेलन के लिए, इसलिए जो भी कुछ कहेंगे वह यही साबित होगा कि अंगूर खट्टे हैं। लेकिन फिर भी कहने में क्या हर्ज है? अभी तो सरकार ने कहने पर जी.एस.टी. नहीं ठोका है, इसलिए कह देते हैं... साहित्य में भी अब उफ़-उफ़ का तड़का लगने लगा है जी, और साहित्य का अंग-अंग फड़कने लगा है। साहित्य में नए स्तर की गिरावट लाने के लिए आजकल नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। लुगदी साहित्य की अपार सफलता के बाद अब साहित्य सम्मेलनों में भी उफ़-उफ़ का मसाला लगाया जाएगा। आइटम सॉन्ग, द्विअर्थी संवाद, बिलो द पेंट जोक्स, ट्रुथ और डेयर जैसे लुभावने गेम्स द्वारा साहित्य को सेंसुअल और रोमांटिक बनाया जाएगा। साहित्य को विचित्र भेष-भूषा और हैलोवीन थीम पर परोसा जाएगा, और इसे इस कदर बाज़ारी बना दिया गया है कि अब साहित्य को भी बौद्धिकता की कोठरी में से निकालकर बीच चौराहे पर खड़ा कर दिया जाएगा। आज के इस व्यावसायिक युग में साहित्य पढ़ने की नहीं, दिखने की चीज़ होनी चाहिए। अब कुछ गंभीर साहित्यकार इस साहित्यिक प्रदूषण पर सवाल उठाएंगे, इसके रोक की माँग करेंगे... उसके लिए भी सरकार के पास उपाय है। सरकार अब साहित्य सम्मेलनों के ऊपर भी सेंसर बोर्ड बैठा देगी, और उस पर अपने खेमे के कुछ चरण चाटुकार साहित्यकारों को बिठा देगी, जो इसमें प्रस्तुत किए गए एडल्ट कंटेंट के हिसाब से रेटिंग देंगे। 18 वर्ष से कम उम्र के लोग कृपया इस सम्मेलन में प्रवेश न करें, और अगर आते हैं, तो अपने माता-पिता के साथ आएँ या फिर कहीं से 18 वर्ष से ऊपर का सर्टिफिकेट कबाड़ कर लाएँ। अब साहित्य केवल आपके दिमाग़ की नसें ही नहीं, शरीर की नसों को भी फड़काने में सक्षम है। कह सकते हैं, अब साहित्य सम्मेलन भी बस मनोरंजन पार्क बन गए हैं। साहित्य की दुनिया अब प्रयोगवाद से अछूती कैसे रहे भला! अब वह पुरानी गंभीरता और गहराई साहित्य को दकियानूसी करार दे देगी, ऐसा डर है। एक समय था जब साहित्य जीवन की गहराइयों में डूबता, मानवीय संवेदनाओं की थाह लेता, और सचे अर्थों में मन की शांति का साधन बनता था। लेकिन अब तो साहित्य का भी 'रियलिटी शो' बन गया है! दर्शक बढ़ाने के लिए साहित्यकार अब विषय की गहराई छोड़कर सतह पर ही ठुमके लगा रहे हैं, जैसे किसी स्टेज शो में नाचते कलाकार। वह दिन दूर नहीं जब साहित्यकारों को रियलिटी शो, बिग बॉस जैसे शो में अपने सतही प्रदर्शन और भोंडेपन की छाप से साहित्यिक परचम लहराने का मौका मिले। क्या कहा, साहित्य सिर्फ पढ़ने की चीज़ है? नहीं जी, साहित्य को मनुष्य की सभी इंद्रियों के मनोरंजन का ध्यान रखना चाहिए। साहित्य अब पॉपुलर डिमांड में दिखाने और टी.आर.पी. बढ़ाने की होड़ में लगा हुआ है। अगर आपके पास विषय की मौलिकता या गहराई नहीं है, तो कोई बात नहीं - शब्दों में तड़का लगा दीजिए, बीच में कुछ 'लुचे-लफंगे' संवाद जोड़ दीजिए, और बस! साहित्य पढ़ना नहीं, बल्कि 'पॉपकॉर्न के साथ' देखने का अनुभव होना चाहिए। टी.आर.पी. की दौड़ में शामिल हो गया है साहित्य भी। मसालेदार रैपर में गिफ़्ट कूपन, डिस्काउंट के साथ साहित्य परोसा जा रहा है। एक किताब के साथ बॉलीवुड मूवी के दो टिकट फ्री - ये है आज का साहित्य! साहित्य का यह हश्र देखकर शेक्सपियर भी कहीं चुपके से बैठे अपनी कब्र में ठिठुर रहे होंगे। किसी भी कृति का पहला गुण उसका पठन नहीं, बल्कि कितनी बिकेगी? का प्रमाण-पत्र होता है। आज की पुस्तकों में ज्ञान और चेतना की जगह भर-भर कर मसालेदार सामग्री ठूँसी जाती है, ताकि पाठक को पन्ना पलटते वक्त पेट में रोलर-कोस्टर की अनुभूति हो। क्या करें, इसलिए साहित्यिक महफिलों का भी हुलिया बदलना पड़ रहा है। बड़े-बड़े टीवी चैनलों, कॉर्पोरेट जगत ने, जो साहित्य के नए मठाधीश बन गए हैं, साहित्य जगत को अपने हाथों में ले लिया है। भूल जाइए वह गंभीर मंथन, विचार-विमर्श वाले बोरिंग साहित्यिक सम्मेलन। जवान दिलों की धड़कन बढ़ाने के लिए, टिकटों की हॉट सेल और सम्मेलनों को हाउसफुल करने के लिए अब जरूरी है 'रियलिटी शो' की तर्ज़ पर आयोजन। चुटीले संवाद, स्टैंड-अप कॉमेडी, माहिर सेलिब्रिटियों की दरकार ताकि दर्शक एक झटके में हैरान हो जाएँ - जहाँ चाह वहाँ राह। परोसा वही जाएगा जो दर्शकों को पसंद हो, बस रैपर हमें साहित्य उत्थान का ही लगाना है... आखिर उनकी भी कुछ कॉर्पोरेट रेस्पोंसिबिलिटी है... सामाजिक उत्तरदायित्व है। एक समय था जब साहित्य के माध्यम से सामाजिक चेतना का संचार होता था। सामाजिक चेतना अब भी होगी लेकिन तरीका आधुनिक होना चाहिए... 'कंट्रोवर्सी' क्रिएट करो। मंच से ऐसा-वैसा कहिए, सोशल मीडिया पर वायरल हो जाइए, और फिर देखिए साहित्य के नाम पर न जाने कौन-कौन से पुरस्कार की झड़ी लग जाएगी आपके लिए! साहित्य अब विचारों का साधन नहीं रहा, बल्कि अपनी 'बाज़ारू पहचान' बनाने का माध्यम बन गया है। जब हर जगह मार्केटिंग ने अपनी टांग पसार ली है तो साहित्य जगत में क्यों न हो! अब साहित्य को भी 'मार्केटिंग की कला' में माहिर होना पड़ेगा। किसी किताब का नाम ऐसा होना चाहिए कि लोग उसकी वजह से बुकस्टोर पर खिंचे चले आएँ, चाहे किताब के भीतर का 'साहित्य' चुल्लू भर पानी में डूबने लायक हो! साहित्य सम्मेलन का नाम बदलकर अब 'लुगदी सम्मेलन' रख देना चाहिए, जहाँ साहित्य के नाम पर वही बिकता है जो 'बेचने' लायक हो। बीच-बीच में हल्की-फुल्की अश्लीलता, 'बोल्ड डायलॉग्स', और जोक्स का तड़का देना भी साहित्य सम्मेलनों की सफलता का राज़ है। साहित्यिक समीक्षाओं का हाल भी सोशल मीडिया के ट्रेंड्स जैसा है। किताबों के रिव्यू में अब यह देखा जाता है कि उसमें कितनी सनसनी है, कितने विवादास्पद वाक्य हैं, और कितनी बार 'शॉकिंग' शब्द का प्रयोग किया जा सकता है। एक साहित्यिक पुरस्कार समारोह में जाकर लगेगा कि यह किसी फिल्मी फंक्शन से कम नहीं, जहाँ किताबें कम और लेखक की पोशाकें, पोज और पारिश्रमिक अधिक चर्चा में रहते हैं। टी.आर.पी. के इस दौर में साहित्य भी अब 'मसालेदार' हो चुका है - कहीं आपके हर पसंदीदा कवि की एक सेल्फी बिक रही है और कहीं पहली किताब के साथ दूसरी मुफ्त का ऑफर दिया जा रहा है। कौन जानता था कि साहित्यिक कृतियों के साथ अब डिस्काउंट कूपन, गिफ्ट वाउचर और टिकटों का भी बोनस मिलेगा।

कल तक जहाँ लेखक बड़े ही गंभीर मुद्रा में अपनी रचनाओं का वाचन करते थे, वहीं अब आइटम सॉन्ग और फिल्मी डायलॉग्स साहित्य का हिस्सा बन चुके हैं। आयोजकों ने मंच को ग्लैमर की चासनी से लपेटकर परोसना शुरू कर दिया है। आपको ऐसा अनुभव होगा कि शायद साहित्य अब पठन-पाठन के लिए नहीं, बल्कि तड़क-भड़क भरी नुमाइश के लिए ही लिखा जाने लगा है। मंच पर साहित्य का बिकाऊ रूप देखकर कभी-कभी यही लगता है कि आने वाले समय में साहित्य भी मनोरंजन कर लगाने वाली फ़िल्मों की तरह ए-रेटेड या यू-रेटेड सर्टिफिकेट लेकर आएगा। अब साहित्य के पन्ने पलटना नहीं, बल्कि उसका प्रमोशनल स्टंट देखना यादा लोकप्रिय हो चला है। लेखक को बुद्धिजीवी की जगह सेलिब्रिटी की भूमिका में देखा जाता है, जहाँ उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि कितने सोशल मीडिया फॉलोअर्स हैं, यह मापा जाने लगा है। सच कहें तो, अगर पुराने जमाने के संत कवि तुलसीदास या कबीर कहीं से उठ खड़े हों, तो अपनी दोहों का आज के व्यावसायिक कवियों से तालमेल बैठाने में अपना सिर पीट लेते। मैं कल्पना करता हूँ... अब केवल कल्पना ही कर सकता हूँ... बुलाया तो है नहीं मुझे... साहित्यिक सम्मेलन का एक विशाल मंच, जिसमें चकाचौंध लाइटिंग, हर कोने से निकलती मिक्स डीजे संगीत की धुन, जिसमें ग़ालिब की ग़ज़लों के साथ दिल्ली की गालियाँ मिक्स हो, और मंच पर एक आकर्षक एंकरनी, जो अपने अश्लील इशारों से 'लुगदी साहित्य' पर चर्चा कर रहे साहित्यकारों का परिचय करवा रही है। मैं ढूंढ़ रहा हूँ कहीं गरिमा मिले मुझे... मेरी पुरानी प्रेमिका, जिसे अक्सर मैं मिल ही लेता था ऐसे कार्यक्रमों में। बड़ा सुकून होता था... ओ टी टी , सीरियल, न्यूज़ चैनलों की बकवास दुनिया से विरक्त होकर... जहाँ गरिमा भाग गई हमेशा के लिए छोड़कर... मैं उससे मिलने आता था ऐसे आयोजनों में, गरिमा के साथ दो पल सुकून के बिताने के लिए । लेकिन नहीं... अब नहीं मिलती है गरिमा मुझे कहीं भी... शायद तुम्हें मिले तो मुझे बताना... । मंच के सामने बैठे तथाकथित साहित्य प्रेमी दर्शकों को आकर्षित करने के लिए बीच-बीच में कुछ मजेदार गेम्स भी चल रहे हैं - जैसे 'ट्रुथ और डेयर' जिसमें साहित्यकारों से तीखे सवाल पूछे जा रहे हैं। उनके साहित्यिक प्रेरणाओं के पीछे कितने व्यक्तिगत एक्स्ट्रा मरीटल अफेयर्स का हाथ है, उनकी बेडरूम कहानियाँ, उनके क्षेत्र में क्षेत्रीय भाषाओं में बोली जाने वाली गालियों का मौखिक वर्णन... कभी साहित्य एक शिक्षक की तरह था, जो हमें नई बातें सिखाता था, हमें हमारे भीतर झाँकने की प्रेरणा देता था। पर अब, साहित्य का हर पन्ना किसी 'सेलिब्रिटी' की तरह दिखावा करता है। साहित्य भी एक निवेश है... बाजार में अपनी लेखनी लगाओ... बदले में पुरस्कार, सम्मान, रॉयल्टी और प्रतिष्ठा का भारी रिटर्न पाओ - 'आज की लिखाई, कल की कमाई।' लेखक अब सोचते नहीं, 'फ्रेम' करते हैं - हर शब्द, हर पंक्ति बस टी.आर.पी. की तरफ बढ़ने का एक 'स्टेप' है।

संभलिए, अपने आपको... साहित्य की इस रोलर-कोस्टर यात्रा का रोमांच लेने के लिए अगर टिकट ले लिया है तो बस बकल कस लीजिए... सवार हो गए हैं तो झटकों का आनंद लीजिए... अब आप सवार हो ही गए हैं, उतरने का ऑप्शन आपके पास रहा नहीं... 'इफ यू कांट रेसिस्ट इट, यू शुड एन्जॉय इट!' सचे साहित्य के प्रेमियों के पास अब केवल दो विकल्प बचे हैं - या तो टिकट लें ही नहीं... और अगर ले ही लिया है, तो इसे एक मनोरंजन की तरह लें। आखिरकार 'लुगदी साहित्य' का जो दौर शुरू हुआ है, वह बस मनोरंजन के लिए ही है। जिन्होंने नहीं लिया है... वो यह कहने के लिए तैयार रहें - अंगूर खट्टे हैं।

रचनाकार -डॉ मुकेश असीमित
मेल आई DRMUKE-SHASEEMIT@GMAIL.COM

कहानी

सीमाएं

लेखक ने झल्लाकर गुस्से में एक अखबार के साहित्यिक संपादक को फोन किया- आप कैसे साहित्यिक संपादक हैं ?, मैंने आपको पिछले काफी समय से इतनी कविताएं, लघुकथाएं, कहानियां भेजीं, लेकिन आपने किसी को भी स्थान नहीं दिया। आप अन्य लेखकों को तो बार-बार अपने अखबार में स्थान देते हैं लेकिन मुझे नहीं। दूसरी तरफ से फोन पर साहित्यिक संपादक लेखक से- जी, ऐसा नहीं है, हमने आपकी भी एक कविता अपने अखबार में प्रकाशित की है, लेकिन हम एक से अधिक बार किसी लेखक की कविताएं, लघुकथाएं, कहानियां आदि नहीं छापते, क्यों कि हम हर साल के अंत में इन क्षेत्रों में हर साल पुरस्कार देते हैं, हमारी भी कुछ सीमाएं हैं और प्रधान संपादक से इस संबंध में हमें कुछ निर्देश मिल रखें हैं। धन्यवाद। लेखक ने साहित्यिक संपादक की बात ध्यान से सुनी और फोन काट दिया। कुछ दिनों बाद लेखक ने एकबार फिर स्वयं किसी दूसरे लेखक के नाम से किसी अन्य ई-मेल से एक कहानी लिखकर उसी अखबार के साहित्यिक संपादक को भेजी। अगले सप्ताह अखबार के साहित्यिक सप्लीमेंट में उसी लेखक की कहानी किसी अन्य लेखक के नाम से अखबार में छपी थी और कहानी को अखबार में पयाप्त स्पेस मिला था।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर,
कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड

ब्यूरोक्रेसी में बड़े बदलाव की तैयारी

मुख्यमंत्री ने नई टीम का खाका किया तैयार

इंदौर (ई)। मप्र की ब्यूरोक्रेसी में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। सूत्रों का कहना है कि प्रदेश में नए मुख्य सचिव के आने के बाद ब्यूरोक्रेसी में बड़े बदलाव के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरी झंडी दे दिया है। इसके तहत मुख्यमंत्री कार्यालय और मंत्रालय स्तर पर बड़ी प्रशासनिक सर्जरी होगी। सीएम से हरी झंडी के बाद मुख्य सचिव अनुराग जैन ने नई टीम का खाका खींच दिया है। इसमें नॉन परफॉर्मेंस और उच्च योग्यता का ध्यान रखा गया है।

संभावना जताई जा रही है कि 13 नवंबर को उपचुनाव के मतदान के बाद बड़ा प्रशासनिक बदलाव हो सकता है। असल में प्रदेश के नए मुख्य सचिव अनुराग जैन के कमान संभालने के बाद ये माना जा रहा है कि सीएम डॉ। मोहन यादव और नए प्रशासनिक मुखिया प्रशासनिक टीम तैयार करेंगे। अनुराग जैन के बाद अब पूरे प्रदेश में एक नई प्रशासनिक टीम खड़ी होगी। माना जा रहा है कि अधिकारियों के प्रमोशन और नई पोस्टिंग में इस बार फिल्टर सख्त होगा। जानकारी के मुताबिक, किसी अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं या कोई अधिकारी विवादों के घेरे में है, या कोई अधिकारी अपने विभाग में महत्वपूर्ण निर्णय लेने में देरी करता है तो इस तरह के काम वाले अधिकारी भी बदले जा सकते हैं। इसके अलावा जिन अधिकारियों को एक ही जिले में लंबा समय हो गया है वे भी बदले जाएंगे।

मुख्यमंत्री कार्यालय में भी फेरबदल

सूत्रों का कहना है कि नई प्रशासनिक जमवाट के तहत मुख्यमंत्री कार्यालय में भी फेरबदल होने की संभावना है। एसीएस मुख्यमंत्री डॉ. राजेश राजौरा मुख्यमंत्री की टीम में सबसे वरिष्ठ अधिकारी व

एनवीडीए उपाध्यक्ष बने रह सकते हैं। जल संसाधन जैसे विभागों के अतिरिक्त प्रभार से मुक्ति मिल सकती है। वहीं पीएस मुख्यमंत्री संजय कुमार शुक्ल की पीएस व योजना आर्थिकीय व महिला एवं बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी यथावत रह सकती है। बाकी की जिम्मेदारी से छुटकारा संभव। राघवेंद्र कुमार सिंह, पीएस मुख्यमंत्री प्रदेश में औद्योगिक निवेश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी के बीच इन्हें नई जिम्मेदारी मिल सकती है। सचिव मुख्यमंत्री भरत यादव मुख्यमंत्री की टीम में बने रह सकते हैं, लेकिन भूमिका बदल सकती है। नगरीय प्रशासन की जिम्मेदारी बनी रह सकती है। अविनाश लवानिया अपर सचिव मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी बदली जा सकती है, दूसरे विभागों में सेवाएं ली जा सकती है।

विभागों की जिम्मेदारी भी बदलेगी

मंत्रालय में भी कई अधिकारियों को इधर से उधर किया जाएगा। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव एसएन मिश्रा हैं। चर्चा है कि मिश्रा को सरकार नई जिम्मेदारी दे सकती है। ऐसे में विभाग में एसीएस स्तर पर बदलाव की चर्चा। वहीं मवेशी पालन, दुग्ध उत्पाद के जरिए सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में बढ़ चुकी है। प्रमुख सचिव ई. रमेश के पास से पशुपालन विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी वापस ली जा सकती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय इस विभाग को सरकार मप्र के विकास के लिए और उपयोगी बनाने की दिशा में काम कर रही है। अभी अतिरिक्त जिम्मेदारी अपर मुख्य सचिव संजय दुबे के पास है, जो वापस लेकर अभिजीत अग्रवाल ऐसे आइएएस को दी जा सकती है, जो आइटी क्षेत्र में उच्च योग्यता रखते हों। अग्रवाल आइआइटी कानपुर से पासआउट हैं। 2047 का विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के लिहाज से कौशल विकास एवं रोजगार विभाग में आईएएस अफसर रघुराज एमआर का जिम्मा बदला जा सकता है। जिम्मेदारी विशेषज्ञता रखने वाले अफसर को दी जा सकती है।

श्रीनाथ को लगाया छप्पन भोग, राठौर बंधुओं ने ग्रहण की महाप्रसादी

इन्दौर । राठौर क्षत्रिय समाज बियाबानी का अन्नकूट महोत्सव धार रोड़ स्थित बालकृष्ण बाग गार्डन में संपन्न हुआ। अन्नकूट महोत्सव मंव श्रीनाथ जी की महाआरती कर छप्पन भोग समर्पित किए गए। महोत्सव के दौरान थाली में झूठन नहीं छोडने् का संदेश भी इस दौरान दिया गया। राठौर क्षत्रिय समाज बियाबानी अध्यक्ष ने बताया कि महोत्सव की शुरूआत रात 9 बजे की गई। जिसमें सर्वप्रथम श्रीनाथजी की महाआरती महिलाओं द्वारा की गई। इसके पश्चात छप्पन भोग भगवान को लगाया गया। कार्यक्रम में समाज की बालिकाओं द्वारा गणेश वंदना की प्रस्तुति भी दी। राठौर क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित अन्नकूट महोत्सव में 5 हजार से अधिक बंधुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में राकेश राठौर, लोकेंद्र राठौर, मंजूश्री बोड़ाने, गिरिबाला राठौर, रेणू राठौर, अमित बोड़ाने, ममता राठौर, प्रहलाद राठौर, कैलाश राठौर, अशोक राठौर (अपना स्वीट्स), राजकुमार राठौर सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे।

फूलमाली सैनी समाज छावनी के मिलन समारोह में जूठन नहीं छोड़ने का संकल्प

इंदौर। फूलमाली सैनी समाज छावनी का दीपावली मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव छावनी स्थित मोदी परिसर में भगवान श्रीनाथजी के मनोहारी श्रृंगार, छप्पन भोग एवं अन्नकूट महोत्सव के साथ धूमधाम से मनाया गया। समाज के अध्यक्ष रामगोपाल सैनी एवं मंत्री मनोहर सैनी ने बताया कि भजन गायक दीपक जाधव ने अपने भजनों से ऐसा समा बांधा कि परिसर में मौजूद समाजबंधु झूमते रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी रामकिशन सैनी, रामचंद्र सैनी, विमल सैनी, राजाराम बोड़ाना, मोहनलाल सैनी और नीमच से मुकेश सैनी सहित पूरे प्रदेश से माली समाज के पदाधिकारी शामिल हुए। अतिथियों का स्वागत रामगोपाल सैनी, मनोहर सैनी, मोहनलाल इकदैया, सतीश सैनी, सत्यनारायण सैनी आदि ने किया। सभी समाजबंधुओं को भगवान श्रीनाथजी की महाआरती के बाद किसी भी मांगलिक प्रसंग में जूठन नहीं छोड़ने की शपथ भी दिलाई गई।

मुस्लिम प्रशिक्षित मध्यस्थता समूह द्वारा दीपावली मिलन, संगीत निशा एवं अन्नकूट समारोह का

इन्दौर ।मप्र उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित मुस्लिम मध्यस्थता समूह द्वारा सर्वसमाज मध्यस्थता समूह के लिये दीपावली मिलन समारोह एवं अन्नकूट प्रसादी का आयोजन मास्टर ट्रेनर जज ने जनाब मोहम्मद शमीम साहब की अध्यक्षता में अभिनव कला समाज गांधी हाल इंदौर पर किया गया जिसने इंदौर शहर के लिये एक अनूठी मिसाल कायम करते हुए एक सांप्रदायिक सद्भावनाएं सुगंध भरा संदेश दिया।

इस समारोह की विशेष यही रही के सर्वसमाज अग्रवाल,कोरी कोली, खटीक, नेमा, बंजारा, ब्राम्हण, पासी, बैरवा, जैन, सिंधी, क्रिश्चियन, मुस्लिम, यादव, माहेश्वरी, राजपूत, बोहरा, बंगाली, रविदास, सिख, अहिरवार आदि समुदायों के प्रशिक्षित मध्यस्थ प्रतिनिधियों ने आपस में एक दूसरे से मिलकर दीपावली की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर मध्यस्थता समूह द्वारा मध्यस्थता से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मसलों पर विचार मंथन किया गया तथा कई प्रश्नों का समाधान मास्टर ट्रेनर जज जनाब मोहम्मद शमीम द्वारा किए गए। कार्यक्रम में संगीत निशा का भी आयोजन किया गया जिसमें मध्यस्थ समूह के प्रतिनिधि नरोत्तम माहेश्वरी, हेमराज वाडिया, एजाज शेख, कुलदीप सिंह पवांर, प्रकाश मदनानी, रमेश गोमे, राजेश इंजीनियर, अमजद बेलिन, शेरु पठान, आदि मध्यस्थ साथियों द्वारा सन 1970 से 1990 के मध्य के गानों का शानदार तरीके से गायन किया गया जिसकी सभी ने सराहना की।

इस अवसर पर सर्वसमाज सामुदायिक मध्यस्थता समूह के सर्वश्री अमिताभ सिंघल, प्रो.रमेश मंगल, पुरुषोत्तम यादव, संजय बांकड़ा, फादर साइमन राज, तरुण उपाध्याय, तुलसीराम सिलावट (पप्पू भाई), कैलाशचंद्र चौधरी, रिटायर्ड आय एस, एस. सईद खान, नवीन चौधरी, मदनलाल मिमरोट, कासिम अली, विजय तिल्वे, किशोर कोडवानी, शंकरलाल चौहान, अभिषेक मित्तल, अनिल अग्रवाल, मनजीत सिंह सलूजा, प्यारेलाल वर्मा, जेएन चौधरी, सर्च कुमार कोल, दीप्ति शेरे, इम्तियाज बेलिन, जहांगीर खान, हमीद खान, अभय बरकतिया, दिव्या संदीप नेमा, गणेश वर्मा, राजकुमार शेरे, अमानुल्ला सिद्दीक़ी, हकीमुद्दीन सैफी आदि ने अपने-अपने समुदायों के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित होकर सफल प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार दिलीप गर्ग महानगर द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

प्रांतीय विश्कर्मा महासभा का दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

इंदौर इंडियन काफ़ी हॉउस रीगल चौराहे इंदौर पर प्रारंतीय विश्कर्मा महासभा का दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। दिलीप राजपाल ने की कार्यक्रम के मुख्य अथिति हरिशंकर विश्कर्मा रास्ट्रीय अध्यक्ष,बी, जे, पी, नेता,ओम विश्कर्मा विकास परिषद भोपाल, भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर पुष्प माला पदेश अध्यक्ष मदन भाई पांचाल कार्यकरी अध्यक्ष विनोद विश्कर्मा मऊ पीथमपुर, कार्यक्रम का संचालन रमेश विश्कर्मा एवं समाज के अध्यक्ष विरजू शर्मा,एवं अतिथियों 15 नारी शक्ति का मंच से सम्मान किया, इस अवसर पर राधेश्याम सरकारी बाबा, मदनलाल विश्कर्मा भावने हिरेनेद्र पांचाल ओम प्रकाश चित्रोंड़े राजकुमार विश्कर्मा, दिलीप पांचाल,गया प्रसाद विश्कर्मा, नेकी लाल विश्कर्मा,पंडित बी,आर विश्कर्मा एडवोकेट सुखदेव खरबडीकर, जानकीलाल पटेरिया,नारी शक्ति अनीता पांचाल नंदिता विश्कर्मा, मोहनी विश्कर्मा, माया विश्कर्मा, जोय्तिशी रेणुका पांचाल, इंद्रा पांचाल, सत्य भामा शर्मा, डाली पांचाल,उपस्थित थे, सर्व प्रथम भगवान विश्वकर्मा जी के चित्र पर माल्यार्पण किया, और आए अतिथियों का स्वागत किया,साथ ही सभी कों मिठाई खिला कर मुख मीठा कराया,इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कोई भी समाज बिना शिक्षा के उन्नति नहीं कर सकता, शिक्षा का जीवन में बहुत महत्व है आर्थिक कमजोरी हमेशा ही बच्चों की उच्च शिक्षा में बाधा बनती है।

प्रतिभाओं को सवारने का कार्य सामाजिक संस्थाओं का भी हैः झामनानी

इंदौर। सिंधु सहकारी साख संस्था मर्यादित द्वारा आयोजित छात्रवृत्ति सम्मान समारोह में ईश्वर झामनानी द्वारा अपने उद्बोधन में कही । सिंधु सहकारी साख संस्था द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार खंडवा रोड स्थित प्रबंधन सभागृह मे आयोजित 卐छात्रवृत्ति सम्मान समारोह卐 में मुख्य अतिथि श्री ईश्वर झामनानी ने अपने संबोधन में कहां प्रतिभाओ को सवारने की जवाबदारी सामाजिक संस्थाओं की भी है जिसको सिंधु सहकारी साख संस्था बखूबी निभा रही है । किसी प्रतिभा को सवारने में अभिभावक, सामाजिक संगठन, गुरुजन सभी का योगदान रहता है

कार्यक्रम की विशेष अतिथी डॉं तमन्ना नरसिंघानी ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में बताया आज की

प्रतिभाए कल के उज्जवल समाज का भविष्य है उन्होंने कहा इन प्रोत्साहन कार्यक्रमो के माध्यम से हमें बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है इस अवसर पर कक्षा 12वीं में सर्वोच्च अंक लाने वाले छात्र छात्राओं पूनम सुनील सचदेव व जहान हरीश वासवानी को लैपटॉप प्रदान किये गए। संस्था द्वारा 60 से अधिक बच्चों को परीक्षा में अच्छे अंक पाने वाले को मोमेंटो प्रोत्साहन राशि के चेक से सम्मानित किया । इस अवसर समाज की सेवा कार्य के लिए संस्था के सदस्य जयनारायण ककवानी व संदीपन आर्य का एवं संस्था के वरिष्ठ सदस्य सर्वश्री रतनचंद राजानी, मंशाराम राजनी , शंकरलाल आसवानी का सम्मान श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देखकर किया गया । अध्यक्ष प्रकाश लालवानी द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्था का परिचय एवं गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजक जवाहर मंगवानी में कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि श्री ईश्वर झामनानी का स्वागत पुष्पमाला से राजकुमार हरियाणी एवं राजेश बागजाई ने स्वागत किया। विशेष अतिथि डॉं तमन्ना नरसिंघानी का स्वागत संचालक लता पुरस्वानी एवं चांदनी नरेश फुँदवानी ने किया। कार्यक्रम का संचालन सुनील वाधवानी ने किया । अतिथि परिचय संचालक अनिल फतेहचंदानी एवं राजकुमार हरियाणी ने किया । अतिथियो को स्मृति चिन्ह संस्था अध्यक्ष प्रकाश लालवानी, जवाहर मंगवानी, खेमचंद शादीजा, गोविंद पठेजा ने दिये । आभार प्रदर्शन श्री राजेश बागजाई ने किया । इस अवसर पर संचालक सर्वश्री अशोक खूबानी, अशोक गुलाबचंदानी उपस्थित थे इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी रवि भाटिया, नरेश फुंदवानी, भोजराज वाधवानी, जीतू बंगानी,संजय नरसिंघानी, ज्ञान कटारिया, कमल मटाई, तीरथ बटेजा, मधु गिरधानी, गोदावरी परसवानी, ओ.पी प्रेमचंदानी, किशोर लालचंदानी, सच्चादानंद वाधवानी, सुरेंद्र लछ्वानी, लखन परसवानी उपस्थित थे सभी ने सिंधी व्यंजनों का लुफ्त उठाया ।।

गौतमपुरा में भाजपा नेता की दुकान पर बड़े जुए के अड्डे का भंडाफोड़, पुलिस कार्रवाई में कई बड़े खुलासे

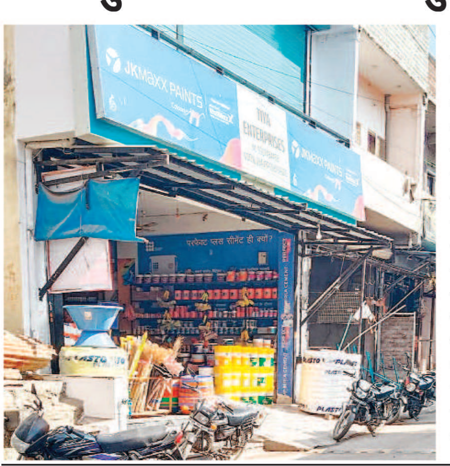

गौतमपुरा। गौतमपुरा के गुर्जर मोहल्ले में स्थित भाजपा नेता विनोद गुर्जर की दुकान के ऊपर बड़े जुआ अड्डे का भंडाफोड़ हुआ है। क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में दो लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें सुनील गुर्जर और जितेन्द्र राठौर शामिल हैं। यह घटना शनिवार देर रात की है, जब पुलिस ने जुए के अड्डे पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि मौके पर लगभग 15-20 जुआरी मौजूद थे, लेकिन अधिकतर पुलिस की भनक लगते ही फरार हो गए और वर्ग विशेष समुदाय के घरों में छुप गए। सूत्रों के मुताबिक, इस जुए के अड्डे में मजदूर वर्ग के लोग शामिल होते हैं, जो ऊंचे ब्याज पर हफ्ते से रुपए लेकर जुआ खेलते हैं। हार के बाद निराशा में कुछ लोगों ने आत्महत्या तक की घटनाओं को अंजाम दिया है। जुआ और सट्टेबाजी का यह गढ़ पूरे क्षेत्र में अपनी जड़ें जमा चुका है, जो न केवल परिवारों को आर्थिक रूप से बर्बाद कर रहा है बल्कि समाज में अपराध को भी बढ़ावा दे रहा है।

क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय है जुआ-सट्टेबाजी का कारोबार

गौतमपुरा और आसपास के इलाकों में जुआ और सट्टेबाजी के ऐसे अड्डे बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। इस मामले में पुलिस ने भाजपा नेता विनोद गुर्जर की दुकान के ऊपर अड्डे का खुलासा किया है, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि इस दुकान पर केवल जुआ ही नहीं बल्कि सट्टेबाजी का कारोबार भी चल रहा था। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है, और स्थानीय लोग इसे लेकर बेहद चिंतित हैं।

पुलिस पर सवाल, बड़े नामों को पकड़ने में विफल

पुलिस की इस कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस को पहले से जुआ अड्डों की जानकारी थी, लेकिन बड़ी मछलियों तक पहुंचने में विफल रही। शनिवार की रात हुए इस छापे में पुलिस ने मोहल्ले के कई घरों में तलाशी ली, लेकिन कई मुख्य आरोपी हाथ नहीं लगे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस कार्रवाई में ढिलाई बरत रही है और असली आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

गौतमपुरा में जुए के अड्डों से युवा पीढ़ी पर बुरा प्रभाव

गौतमपुरा और उसके आसपास के क्षेत्र में सक्रिय जुआ और सट्टेबाजी के इन अड्डों ने युवाओं को अपनी चपेट में ले लिया है। युवा वर्ग तेजी से इस अवैध गतिविधि की ओर आकर्षित हो रहा है। क्षेत्र में बढ़ती बेरोजगारी और आर्थिक संकट के बीच लोग जल्द पैसे कमाने के लालच में फंसते जा रहे हैं। कई युवा अपनी कमाई और परिवार की जमा-पूंजी को इन अड्डों में गंवा चुके हैं।

प्रशासन पर जनता की कड़ी नजर, बड़े कदम उठाने की मांग

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति गुस्सा और चिंता दोनों बढ़ गए हैं। लोगों का कहना है कि अगर पुलिस और प्रशासन ने जल्द ही सख्त कदम नहीं उठाए, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। इस घटना ने प्रशासनिक अधिकारियों पर भी दबाव बढ़ा दिया है, और क्षेत्र के लोगों ने पुलिस से ऐसे अड्डों पर लगाम लगाने की मांग की है। यह घटना केवल गौतमपुरा तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए एक गंभीर समस्या बन चुकी है। जनता की मांग है कि इन अवैध अड्डों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

स्मार्ट चिप कंपनी के काम को नहीं संभाल पा रहे अधिकारी-कर्मचारी

कंप्यूटर से संबंधित सभी काम कंपनी के कर्मचारी ही करते थे

कंपनी और विभाग के बीच 88 करोड़ के भुगतान को बिगड़ी बात

इन्दौर (नप्र)। परिवहन विभाग में लाइसेंस, वाहनों के रजिस्ट्रेशन से लेकर सभी तकनीकी काम स्मार्ट चिप कंपनी संभाल रही थी। इसीलिए करीब 20 साल बाद जब कंपनी ने काम समेटा तो विभाग पंगु हो गया। हालत ये हुई कि परिवहन आयुक्त कार्यालय के तमाम सीसीटीवी कैमरे तक बंद हो गए तो विभागीय कर्मचारी इनको भी चालू नहीं कर पाए।

जब अधिकारियों ने कर्मचारियों को बुलाया तो उन्होंने हाथ खड़े कर दिए और बोले-अब तक यह काम स्मार्ट चिप कंपनी देखती थी। ऐसे में एक निजी व्यक्ति को बुलाकर कैमरे चालू कराए गए। कुछ जिलों का तो रिकार्ड भी विभाग की वेबसाइट पर नहीं दिख रहा है।

दरअसल स्मार्ट चिप कंपनी 2004 से परिवहन विभाग का पूरा आनलाइन का काम संभाल रही थी। कंप्यूटर से संबंधित सभी काम कंपनी के कर्मचारी ही करते थे। कंपनी को काम देने का उद्देश्य यह था कि इस अवधि में विभागीय कर्मचारी भी कामकाज सीख लेंगे, जबकि कंपनी के आने के बाद जो लोग काम जानते थे, उन्होंने भी पूरा काम कंपनी के भरोसे छोड़ दिया। अब हालत ये है कि परिवहन मुख्यालय में एनआइसी सेक्शन अलग से बना हुआ है, मगर जब सीसीटीवी बंद हुए तो चालू करने निजी कर्मचारी को बुलाना पड़ा।

88 करोड़ के भुगतान पर बिगड़ी बात

स्मार्ट चिप कंपनी का 88 करोड़ का बकाया भुगतान होना था। इसके चलते कंपनी ने सितंबर से काम बंद कर दिया। इससे पूरा सिस्टम गड़बड़ा गया। ड्राइविंग लायसेंस, रजिस्ट्रेशन कार्ड भी विभाग नहीं दे पा रहा है। सूत्रों की मानें तो स्थायी लाइसेंस के लिए पहुंचने वाले आवेदकों के फोटो खींचने तक में दिक्कतें आ रही है। नहीं दिख रहा आनलाइन रिकार्ड- परिवहन विभाग की वेबसाइट पर वाहनों की खरीदी के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण डेटा अपलोड किया जाता है। खास बात ये है कि इसमें प्रदेश की राजधानी भोपाल का भी रजिस्टर्ड वाहनों का डेटा दिखाई नहीं दे रहा है। यह स्थिति केवल भोपाल ही नहीं बल्कि जबलपुर, दतिया, श्योपुर, गुना सहित प्रदेश के कई जिलों की है। खास बात ये है कि इसमें केवल वर्तमान डेटा ही नहीं 2023 और 2022 का डेटा भी दिखाई नहीं दे रहा है।

नहीं दिख रहा आनलाइन रिकार्ड

परिवहन विभाग की वेबसाइट पर वाहनों की खरीदी के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण डेटा अपलोड किया जाता है। खास बात ये है कि इसमें प्रदेश की राजधानी भोपाल का भी रजिस्टर्ड वाहनों का डेटा दिखाई नहीं दे रहा है। यह स्थिति केवल भोपाल ही नहीं बल्कि जबलपुर, दतिया, श्योपुर, गुना सहित प्रदेश के कई जिलों की है। खास बात ये है कि इसमें केवल वर्तमान डेटा ही नहीं 2023 और 2022 का डेटा भी दिखाई नहीं दे रहा है।

अब क्या

कंपनी के काम बंद करने के बाद विभाग ने नई कंपनी की तलाश तो शुरू कर दी है, मुश्किल यह है कि नई कंपनी को भी पूरे कामकाज को समझना होगा। साथ ही जब तक नई कंपनी नहीं आती है तब तक विभाग का पूरा सिस्टम ही गड़बड़ाया हुआ रहेगा। ऐसे में अब शासन स्तर के साथ ही परिवहन विभाग के अफसर भी स्मार्ट चिप कंपनी के अधिकारियों से चर्चा कर मनाने में जुटे हैं। इससे वह किसी भी प्रकार दिसंबर तक काम संभालने के लिए तैयार हो जाए। इससे काम पटरी पर आ जाएगा, साथ ही विभाग में मौजूद कुछ टेक्नो फ्रेंडली कर्मचारी भी काम समझ लेंगे। जब नई कंपनी आएगी तो उसे यह कर्मचारी काम तो बता पाएंगे।

सा. संस्था रंजन कलश ने दीपावली के उपलक्ष्य में ऑनलाइन काव्य गोष्ठी दीपक जगमगाए

इन्दौर (नप्र)। दीपावली के उपलक्ष्य में साहित्यिक संस्था रंजन कलश ने मासिक गोष्ठी आयोजित की जिसमें 18 साहित्यकारों ने भाग लिया और दीपावली पर सुंदर रचनाओं के द्वारा मंच को जगमगा दिया। दीपावली हिंदुओं का एक बहुत बड़ा धार्मिक पर्व है, इस पर्व के द्वारा सभी को प्रेम , भाईचारे का संदेश प्राप्त होता है। रंजना फतेहपुरकर ने स्वागत उद्बोधन देकर सभी को दीपावली पर शुभकामनाएं दीं।डॉ.शशी निगम ने गणेश वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर ऋतुराज टोंग्या जी ने संदेश दिया कि खुद प्रबोध बने, अन्य के लिए भी प्रबोध व प्रभावी बने जो दुनिया को प्रबुद्ध करें।

काव्य गोष्ठी में कवि रचनाकारों ने सुंदर कविताएं प्रस्तुत की कुछ कविताएं की बानगी देखिए---

झिलमिल चांदनी की रात आज सिर्फ गुलाब की

महक बिखेरती आज मेरी दहलीज पर उतरी है

(रंजन फतेहपुर कर)

दीप जलाएं ,खुशियाँ मनाएँ जगमग हो जग सारा दीप जलाएँ, तमस मिटाए झिलमिल हो जग सारा

(आशा जाकड़)

भाई - बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व मनाया

परिवार, प्रेम- प्रतीक और संस्कार, अपनाया

(डॉ अंजुल कंसल)

भले ही बीत जाए तम की बेला

पर दीप प्रकाश का बुझने न पाए

(अमोघ अग्रवाल)

दसों दिशाएं आलोकित कर पथ उजास से भर दे ऐसा दिया जलाओ माटी का,त्योहार में रस भर दे

(भावना दामले)

शुभ -शुभ दीपावली ये त्यौहार आया

आज सभी ने घी का दीपक जलाया

(सुषमा शुक्ला)

दीपक की जगमगाहट स्वच्छता प्रेम प्रसंग लाई

मन का कोना कोना हर्षित खुशियों की बारात लाई (संतोष तोषनीवाल)

पांच दिवसीय त्यौहार दीपावली हमारा

भाई-बहन के प्रेम पावन का त्योहार हमारा

(आशा कुशवाहा)

जगमगाती आई दिवाली खुशबू छाई हरियाली

घर -द्वार की साफ सफाई घर से दरिद्रता भगाई।

(प्रेरणा सेन्द्रे)

घर का चम -चम-चमक रहा मेरा आंगन

हर जगह टिम -टिम दीप जल रहे मनभावन

(श्रुति चौधरी)

मन की मनुहार है ,भोले से प्यार है

सरगम की धुन पर जीवन का सार है।

(कार्तिकेय त्रिपाठी राम)

दिवाली का त्योहार आया,खुशियाँ खूब ?मनाओ

आनंद? मिलेगा, घर आंगन को खूब सजाओ

(डॉ शशि निगम)

भाई -बहन के आत्मीय प्रेम बंधन का त्यौहार

बहन करें भाई के तिलक रक्षा को करें मनुहार

(डा शशि कला अवस्थी)

इसके अतिरिक्त लता सेन, सीता सेन, प्रभा तिवारी, नीति अग्निहोत्री, कौस्तुभ हिरदै और हेमा जैन आदि ने अपनी सुंदर रचनाओं के पटल पर रंग बिखेरे। आशा जाकड़ ने संचालन किया। डॉ रविंद्र पहलवान जी ने सभी को शुभकामनाएं दी? और आभार माना।

खजराना मे मुख्य मंदिर के साथ शिव-पार्वती मंदिर की दिवारें भी पहली बार चांदी से चमकेगी

इन्दौर (नप्र)। खजराना गणेश मंदिर में जल्द आने वाले दिनों में मंदिर के विकास कार्यों के लिए तैयार मास्टर प्लान के हिसाब से शिवजी और माता पार्वती मंदिर की बाहरी और भीतरी दिवारों पर भी पहली बार भक्तों के दान और जन सहयोग की चांदी से चमक नजर आएंगी जिसको लेकर मंदिर प्रबंध समिति ने अपनी ओर से तमाम तैयारियां भी शुरू कर दी है। दरअसल पिछले दिनों कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसको लेकर निर्णय लिया गया था। जिसके अनुसार मंदिर प्रबंधन अब मुख्य खजराना गणेश मंदिर की दिवारों पर सालों से लगी पुरानी चांदी की मरम्मत करवाने के साथ इनका नवीनीकरण भी करवाएगा। साथ ही जो चांदी काली पड़ गई उसको भी बदलवाएगा। इसके अलावा मंदिर प्रबंधन पहली बार मंदिर परिसर में गणेशजी के साथ दुर्गा माता मंदिर और बप्पा के दरबार के पास स्थित शिव मंदिर पर भी चांदी लगाएगा। जिसके तहत दोनों मंदिरों की बाहरी और भीतरी दिवारों पर दो अलग - अलग चरणों में जनसहयोग से चांदी लगवाएगा। मंदिर के पुजारियों के मुताबिक पहले चरण में जहां शिव और दुर्गा मंदिरों की बाहरी दिवारों को चांदी से चमकाया जाएगा। राम मंदिर के चारों तरफ होगा सुरक्षा परकोटा तैयार वहीं खास बात यह है कि इसके साथ ही अब राम मंदिर के चारों ओर नवीन सुरक्षा दीवार बनाकर मंदिर के आसपास सौंदर्यकरण का काम भी मंदिर प्रबंधन द्वारा करवाया जाएगा।

मेडिकल स्टोर संचालकों की मनमानी...

बिना पर्चे के मिल रही दवाएं, ड्रग इंस्पेक्टर नहीं करते दुकानों का निरीक्षण

पीथमपुर। शहर में मेडिकल स्टोर पर दवा लेने जाएं तो पक्का बिल कोई भी मेडिकल स्टोर संचालक नहीं देता। सिर्फ हाथ से पर्ची पर दवा की कीमत और टोटल लिख दिया जाता है। यदि कोई दवा को लेकर क्लेम करना चाहे तो ग्राहक के पास कोई सबूत नहीं रहता कि उसने किस मेडिकल स्टोर से दवा खरीदी है। यह मनमानी लंबे समय से नगर में चल रही है। यदि कोई ग्राहक बहुत अधिक जोर दे तब ही वह पक्का बिल प्राप्त कर सकता है। अधिकांश दवाएं व एंटीबायोटिक सिर्फ काउंटर सेल पर ही दिए जा रहे हैं। दरअसल दुकानदार पक्का बिल देने से इसलिए बचते हैं क्योंकि वे रेट में मनमानी कर सके।

एंट्री दर्ज होनी चाहिए

नियम यह है कि सभी मेडिकल स्टोर्स पर बिल के लिए कप्यूटर की व्यवस्था हो और कितनी दवा बिकी इसकी एंट्री भी दर्ज होनी चाहिए। लेकिन नगर में संचालित अधिकांश दवा दुकानों पर कप्यूटर की व्यवस्था नहीं है। ग्राहकों को सिर्फ सादा पर्चे पर दवा के रेट लिखकर दे दिए जाते हैं। ग्राहक भी उदासीनता बरतते हैं, जो संचालक से पक्के बिल नहीं मांगते। दुकानदार सरकार को देने वाला टैक्स भी बचा रहे हैं।

स्टोर्स पर नहीं फार्मासिस्ट

नगर में संचालित मेडिकल स्टोर्स पर अधिकांश में फार्मासिस्ट नहीं है। साइकाइट्रिक दवाइयां बेरोकटोक बिना पर्चे के दवाएं दे रहे हैं। लेकिन इन पर निगाह रखने वाला विभाग आंखें बंद किए हुए हैं। ज्यादातर मेडिकल स्टोरों पर न ही तो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और न ही लाइसेंस की कापी चस्पा है। कुछ मरीज तो डॉक्टर से परामर्श लेने की अपेक्षा मेडिकल स्टोर पर ही पहुंचकर सीधे मर्ज बताते हुए दवा खरीद लेते हैं। मेडिकल पर मिलने वाली जेनरिक दवाएं स्टोर्स संचालक इन्हें सस्ती दरों पर पर बेच देते हैं। ऐसे में उनके द्वारा हजारों रुपए की काउंटर सेल कर मोटा मुनाफा कमाया जा रहा है। साथ ही कई प्रतिबंधित दवाई भी मेडिकल स्टोर पर बेची जा रही है।

ड्रग इंस्पेक्टर नहीं करते हैं निरीक्षण

नगर के ज्यादातर मेडिकल दुकानदार शासन के नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। खास बात यह है कि ड्रग इंस्पेक्टर भी मेडिकल दुकानों की जांच करना जरुरी नहीं समझते। नागरिकों का कहना है कि हमने कई वर्षो से क्षेत्र में मेडिकल स्टोर्स की जांच होते नहीं देखा। नगरीय क्षेत्र और आसपास के इलाके में दर्जनभर से अधिक छोटे बड़े मेडिकल स्टोर संचालित हैं।

इनका कहना है

आपके माध्यम से जानकारी मिली है संबंधित विभाग को कार्यवाही के लिए निर्देशित करेंगे।

प्रियंक मिश्र, कलेक्टर धार

फसलें चौपट कर रहे घोड़ा रोज़ के झुंड, किसानों की मेहनत पर संकट

देपालपुर। क्षेत्र में हाल ही में गेहूं, लहसुन, और आलू जैसी मुख्य फसलों की बुवाई हो चुकी है। किसानों ने महंगे बीज और खाद पर निवेश कर अपनी फसलों की उम्मीदें लगाई हैं।

फसलें अंकुरित होकर बढ़ने लगी हैं, लेकिन पिछले वर्षों की तरह इस बार भी घोड़ा रोज़ के झुंड किसानों की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। जंगलों से निकलकर ये झुंड खेतों में पहुंचकर फसल को रौंद रहे हैं, जिससे फसलों को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। विशेष रूप से नदी किनारे और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित खेतों में इन घोड़ों के झुंड देखे जा रहे हैं। किसान परेशान हैं, क्योंकि उनकी महनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। वन विभाग और प्रशासन से बार-बार इस समस्या के समाधान की मांग की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही इस स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया, तो उनकी पूरी साल की मेहनत बेकार हो सकती है।

प्रभावित किसानों की प्रतिक्रिया

देपालपुर के कई किसानों ने बताया कि उनकी सीमित आय में यह बड़ा नुकसान साबित हो सकता है। एक किसान ने बताया, हमने महंगे बीज और खाद खरीदे, और इन फसलों पर हमारी जीविका निर्भर करती है। लेकिन यदि प्रशासन ने समय रहते ध्यान नहीं दिया, तो हम बर्बाद हो जाएंगे।

प्रशासन और वन विभाग की अनदेखी?

किसानों के अनुसार, यह समस्या नई नहीं है। घोड़ा रोज़ का आतंक हर साल उनके खेतों पर कहर बनकर टूटता है। बावजूद इसके, वन विभाग और स्थानीय प्रशासन से इस पर ध्यान देने के कोई प्रयास नहीं किए जा रहे। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द ही इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो किसानों की समस्या आने वाले वर्षों में और भी गंभीर हो सकती है।

समाधान की दिशा में उठाए जाने चाहिए ठोस कदम

इस मुद्दे का हल निकालने के लिए विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि वन विभाग और प्रशासन को मिलकर योजना बनानी चाहिए। संभावित कदमों में जंगलों के आसपास बाड़बंदी, घोड़ों की निगरानी और उनके नियंत्रण हेतु उचित प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि किसानों की मेहनत बर्बाद होने से बच सके। यदि प्रशासन अब भी इस ओर ध्यान नहीं देता, तो किसानों की यह परेशानी और भी विकराल रूप ले सकती है, जो सरकार के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

माहेश्वरी समाज के रमोला मंदिर में लगाया छप्पन

रतलाम। श्री माहेश्वरी समाज रामोला ट्रस्ट के तत्वाधान में दिनांक 9 नवंबर को श्री रामोला मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें श्री राम दरबार को गिरिराज धरण भाव से छप्पन भोग मनोरथ अर्पण किया गया। बालक बालिकाओं के द्वारा पूरे मंदिर को मांडाना से, फूलों और रंगोली से सजाया गया। ट्रस्ट मंडल के प्रत्येक परिवार के परिजनों ने अपने शुद्ध मनोभाव से तरह-तरह के व्यंजन मिठाई व नमकीन अपने घरों से बना कर लाई गई थी और भगवान को अर्पण की गई । भजन गीतों से भगवान की अर्चना की गई। प्रबुद्ध समाज जनों ने इस आयोजन मे पधार कर अपनी सहभागिता दी। रामोला ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायण मालपानी ने सभी पधारे भक्त जनों का स्वागत किया तत्पश्चात सभी को महा- प्रसादी ग्रहण कराई गई। श्री माहेश्वरी महिला मंडल जिला अध्यक्ष श्रीमती ललिता सोमानी और जिला माहेश्वरी सभा के सचिव जितेंद्र माहेश्वरी की विशेष उपस्थिति रही। उक्त जानकारी ट्रस्ट सचिव गोविंद मालपानी द्वारा दी गई। न्यासी हीरेंद्र मालपानी, नवल किशोर राठी, चंद्रकांत काबरा, ओम प्रकाश राठी, राधेश्याम माहेश्वरी, अशोक माहेश्वरी, बालकृष्ण माहेश्वरी की भी सपरिवार उपस्थिति रही।

जिले में एकजुटता से मनाए जनजातीय गौरव दिवस : प्रदेशाध्यक्ष कल सिंह भांवर

रतलाम। आगामी 15 नवम्बर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप मे मनेगी। इस अवसर पर सभी समाज जन एकजुटता का परिचय दे और गौरव दिवस मनाये। भारतीय जनता पार्टी ने सभी महापुरुषों को जो सम्मान दिया है, वह वंदनीय है। यह बात भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कल सिंह भावर ने पैलेस रोड़ स्थित जिला कार्यालय मे आयोजित मोर्चा जिला बैठक मे कही। यह बैठक जनजातीय गौरव दिवस तैयारियों को लेकर आयोजित की गई। इसमें भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, रतलाम ग्रामीण विधायक मथुरालाल डामर, पूर्व विधायक दिलीप मकवाना, जिला महामंत्री संगीता चारेल, मोर्चा जिलाध्यक्ष शंभु सिंह गणावा, अ.ज.जा. मोर्चा के मोतीलाल निनामा, नारायण मईडा, सुरेश सिंगाड आदि मंचासीन रहे। बैठक मे भाजपा जिलाध्यक्ष श्री उपाध्याय ने कहा कि भाजपा हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और सबका साथ सबका विकास के उद्देश्य से काम करती है। ग्रामीण विधायक श्री डामर ने मोर्चा कार्यकर्ताओं से जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम मे उपस्थित रहने का आव्हान् किया। पूर्व विधायक मकवाना ने कहा कि भाजपा ने अपने शासनकाल में ऐसे महापुरुषों को सम्मान दिया,जो सालों से हकदार है। बैठक के दौरान मोर्चा पदाधिकारियों के साथ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ता को फर्श से अर्श तक पहुंचाती है : लुनेरा

रतलाम। देश मे भारतीय जनता पार्टी की ऐसी पार्टी है जो कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान देती है, यह पार्टी कार्यकर्ताओं को फर्श से अर्श तक पहुंचा देती है और इसका पता भी नहीं चलता। यह बात भाजपा पं.दीनदयाल उपाध्याय मंडल की निवार्चन कार्यशाला मे मंडल के निर्वाचन अधिकारी पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह लुनेरा ने कही। उन्होने कार्यशाला मे संगठन पर्व के तहत् आगामी दिनों मे होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए शक्ति केन्द्र प्रभारियों की घोषणा भी की। श्री लुनेरा ने कहा कि संगठन के कार्यो मे सदैव जो कार्यकर्ता लगा रहता है, उसे इसका प्रतिसाद अवश्य मिलता है। निर्वाचन कार्यशाला के आरम्भ मे स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी ने दिया। इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष जयवंत कोठारी, जिला कार्यालय मंत्री मनोज शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी अरूण त्रिपाठी आदि मंचासीन रहे। संचालन मंडल महामंत्री नंदकिशोर पंवार ने किया। आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह भाटी ने माना।

कुपोषण से मुक्ति के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा

रतलाम। जिले में व्हील ग्लोबल फाऊंडेशन और आईआईटी मुंबई के तत्वावधान में रतलाम जिले को कुपोषण से मुक्ति के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित किया गया है। कलेक्टर राजेश बाथम और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रृंगार श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया जा रहा है। इस क्रम में रतलाम शहर के होटल क्षमता सागर में 11 नवंबर से 22 नवंबर तक स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास विभाग के कर्मचारियों को कुपोषण से मुक्ति के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण का आईआईटी मुंबई की डॉक्टर रूपल दलाल एवं डॉ. देवजी द्वारा संचालन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आनंद चंदेलकर ने बताया कि रतलाम जिले के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान कर परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ताकि रतलाम जिले में कुपोषण से मुक्ति मिल सके। उन्होंने बताया कि पूर्व में जिन राज्यों के जिलों में साक्ष्य आधारित कुपोषण से मुक्ति हेतु अभियान चलाकर प्रशिक्षण प्रदान किया गया, उन जिलों में कुपोषण के आंकड़ों में उल्लेखनीय कमी आई है और बच्चों का पोषण स्तर सुधार सका है। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ 11 नवंबर को होटल समता सागर में कलेक्टर राजेश बाथम की उपस्थिति में किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान चार दिवसीय प्रशिक्षण के तीन बैच में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पुलिस और पत्रकारों ने लगाए चौके, छक्के, आखिरी गेंद तक बना रहा रोमांच

रतलाम।

पुलिस लाइन के मैदान पर रविवार सुबह का नजारा बिल्कुल अलग रहा। पत्रकारों और पुलिस के बीच खुलकर मुकाबला हुआ जिसमें कभी पत्रकार आगे-आगे तो कभी पुलिस आगे दिखी।

पुलिस लाइन के मैदान पर हुआ मैत्री क्रिकेट मैच

चौकों, छक्कों की बौछारों, कभी फास्ट एंड फ्यूरियस तो कभी घुमावदार स्पिन गेंदबाजी के जलवों के बीच रोमांचक मुकाबले में पुलिस इलेवन और पत्रकार इलेवन का क्रिकेट मैत्री मेच हुआ।

पुलिस इलेवन की टीम एसपी अमित कुमार के नेतृत्व में और पत्रकार इलेवन कप्तान मुकेशपुरी गोस्वामी के नेतृत्व में उतरी। मैच प्रारंभ होने के पहले एसपी श्री कुमार और एएसपी राकेश खाखा ने दोनों टीम के खिलाड़ियों से परिचय लिया। इसके बाद पत्रकार सौरभ कोठारी ने टॉस करवाया जिसे पुलिस कप्तान ने जीतते हुए पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पुलिस इलेवन की टीम ने 12 ओवर के मैच में 115 रन का स्कोर खड़ा किया।

पत्रकारों ने किया शानदार प्रदर्शन

टीम में सुरेंद्र जैन, प्रदीप नागौरा, दिव्यराज सिंह राठौर, राजेंद्र केलवा, अर्पित चौबे, किशोर जोशी दत्ता, यशवंत सिंह राठौर, समीर खान, साजिद खान, दुष्यंत सिंह तंवर, शैलेंद्र पारे ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम की ओर से शानदार बल्लेबाजी करते हुए प्रदीप नागौरा ने 69 रन बनाए। दिव्यराज सिंह राठौर ने 20 का योगदान किया। गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए राजेंद्र केलवा ने 2 ओवर में केवल 11 रन देकर पुलिस इलेवन 3 विकट चटकाए। साथ ही एक कैच भी

पकड़ा। यशवंत सिंह राठौर ने 3 ओवर में 21 रन दिए और 1 विकेट लिया। दिव्यराज सिंह राठौर ने 3 ओवर में 24 रन देकर 2 विकेट लिए।

पुलिस इलेवन में इन्होंने दिखाया जलवा

पुलिस इलेवन की ओर से आरआई मोहन भर्रावत ने 72 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। जावरा सीएसपी दुर्गेश आर्मो और रतलाम सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया खाता नहीं खोल सके। एसपी अमित कुमार ने 10 रन जबकि एएसपी राकेश खाखा ने 8 रन का योगदान दिया। पुलिस इलेवन टीम में बूदन 3 ओवर में केवल 13 रन दिए। आकाश ने 3 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। टीआई सुरेंद्र गडरिया ने 1 ओवर में 4 रन देकर 1 विकेट ले लिया। जयप्रकाश ने 1 ओवर में 12 रन दिए। वसीम, मुकेश सास्तिया, शांतिलाल, एएसपी राकेश खाखा, आरआई मोहन भर्रावत, एसडीओपी अभिलाष भलावी, सीएसपी दुर्गेश आर्मो ने प्लेयिंग इलेवन के रूप में प्रदर्शन किया।

मैच के बाहर भी बना रहा रोमांच

मैच के दौरान बाहर भी जबरदस्त रोमांच का माहौल बना रहा। पत्रकारों ने कॉमेंट्री में भी जमकर मजा लिया और हंसी, मनोरंजन का माहौल बनाए रखा। मैच के बाद मैन ऑफ द मैच शानदार प्रदर्शन की बदौलत पत्रकार इलेवन के प्रदीप नागौरा को मिला। उप विजेता और विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्राफी प्रदान की गई। इस दौरान प्रेस क्लब सचिव यश शर्मा बंटी, वरिष्ठ पत्रकार गोविंद उपाध्याय, भेरूलाल टांक, सौरभ कोठारी, नरेंद्र जोशी, जितेंद्र सिंह सोलंकी, अदिति मिश्रा, मुबारिक शेरानी, नीरज बरमेचा, विनोद वाधवा, जयदीप गुर्जर, विवेकानंद चौधरी, राजेश वासनवाल, चंद्रशेखर सोलंकी, राकेश पोरवाल, शाहिद मीर, स्वदेश शर्मा, नवीन टांक, उत्तम शर्मा, उमेश मिश्रा, मो. हुसैन, सूबेदार मोनिका सिंह, प्रदीप शर्मा, एसआई बघेल, एसआई परमार समेत पुलिस अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस की ओर से स्कोरिंग और कॉमेंट्री गोविंद मालवीय ने की। अम्पायरिंग अमोल कस्तौरे और यश हाड़े ने की।

फोरलेन निर्माण में दरगाह का हिस्सा तोड़ा जा रहा

रतलाम। जावरा फाटक से सेजावता तक 4.12 किमी लंबा फोरलेन बनाया जा रहा है। इसके निर्माण के दौरान एक तरफ दरगाह तो दूसरी तरफ मंदिर का हिस्सा निर्माण में आ रहा था। जिसे सभी की सहमति से प्रशासन द्वारा हटाया जा रहा है। पोकलेन व जेसीबी की मदद से निर्माण में आने वाले हिस्सों को तोड़ा जा रहा है। दरगाह के आगे कुछ दुकानें भी बनी है जिन्हें भी दो बजे तक खाली करने का समय दिया है। उसके बाद उन्हें भी हटाया जाएगा। दरगाह की बाउंड्रीवॉल व मंदिर की बाउंड्रीवॉल को तोड़ दिया गया है। इस दौरान तहसीलदार

ऋषभ ठाकुर समेत पुलिस व प्रशासन का अमला मौजूद है। सुरक्षा को लेकर सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, थाना औद्योगिक क्षेत्र प्रभारी वीडी जोशी पुलिस बल के साथ मौजूद हैं। बता दें, दरगाह के हिस्से को हटाने के लिए शनिवार को प्रशासन के साथ शहर काजी अहमद अली, दरगाह कमेटी व मुस्लिम समाजजनों की बैठक हुई थी। दो घंटे तक चली बैठक के बाद दरगाह कमेटी मानी। शनिवार की शाम को ही प्रशासन के अमले ने पहुंचकर दरगाह के अंदर लाल निशान लगाकर अपना काम शुरू कर दिया था। वहीं दरगाह के हिस्से को लेकर पिछले तीन माह से प्रशासन और दरगाह कमेटी की चर्चा चल रही थी। दरगाह के सामने हनुमान जी का मंदिर भी है। मंदिर की बाउंड्रीवॉल भी निर्माण में आ रही है। बाउंड्रीवॉल पर भी प्रशासन ने लाल निशान लगाए। पीडब्ल्यूडी के ईई अनुराग सिंह के अनुसार फोरलेन निर्माण के लिए 21 मीटर जगह चाहिए। दरगाह के पास में साढ़े 14 मीटर से लेकर 16 मीटर तक ही जगह मिल रही है। बाकी की जगह पर अतिक्रमण है। इसे हटाने के लिए पहले ही नोटिस दिया गया था। शनिवार को हुई बैठक में सहमति के बाद दरगाह का हिस्सा तोड़ा जा रहा है।

श्री रामबाग हनुमान मंदिर पर भव्य अन्नकूट महोत्सव संपन्न

रतलाम। श्री माहेश्वरी समाज के तत्वाधान में श्री राम बाग हनुमान मंदिर समिति द्वारा अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि इप्का लेबोरेटरीज के उपाध्यक्ष दिनेश सियाल एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय क्षेत्रीय पार्षद विशाल शर्मा रहे। श्री सियाल साहब का स्वागत समाज अध्यक्ष शैलेंद्र डागा एवं समिति अध्यक्ष डॉ बी एल तापडिया द्वारा किया गया। प्रदीप उपाध्याय का स्वागत नरेंद्र बाहेती एवं पप्पू भंसाली द्वारा किया गया। विशाल शर्मा का स्वागत आदित्य डागा द्वारा किया गया एवं इसके अलावा समिति के सदस्य पंकज गगरानी, चंद्र प्रकाश शारदा, आशीष मूंदड़ा, पवन सोमानी, गुंजन बाहेती, राजेश सोमानी, आशीष लोहिया, विनोद तोशनीवाल, सुरेंद्र जागेटिया, जया गगरानी, राजकुमारी काबरा, शशि मालपानी, अभिषेक धुत सहित उपस्थित समाज बंधुओ द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेश चोखड़ा द्वारा किया गया। आभार डॉ तापडिया द्वारा किया गया। अंत में भोजन प्रसादी का सामूहिक आयोजन हुआ।

गौतम व्यास का आर्मी में लेफ्टिनेंट के पद पर चयन

रतलाम। इरादे और जज्बा हो तो हर मुश्किल आसान है जी हां इस बात को चरितार्थ किया है रतलाम के गौतम व्यास ने मेहंदी कोई बालाजी के पास सिटी प्लाजा मल्टी में रहने वाले दीपक व्यास और लीना व्यास के सुपुत्र गौतम व्यास का बचपन से सपना था कि पहाड़, जंगल, नदिया, समंदर और रफ्तार व रोमांच से भरी जिंदगी जीना और इसके लिए सेना में भर्ती होना चाहते थे। कक्षा आठवीं से सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ से उन्होंने पहला प्रयास किया। फिर राष्ट्रीय सुरक्षा अकादमी की परीक्षा दी फिर एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट दिया। फिर कंबाइन डिफेंस सर्विस का टेस्ट दिया इस प्रकार टेस्ट देते देते आठवां टेस्ट उन्होंने शॉर्ट सर्विस कमीशन के लिए दिया और हजारों युवाओं के बीच अंत में फाइनल टेस्ट के लिए बचे 280 युवाओं में तीन का चयन हुआ और रतलाम के गौतम व्यास ने लेफ्टिनेंट की परीक्षा पास कर अंततोत्वा गतवा सेना में भर्ती होने के सपने को सरकार किया। दिवाली के दिन जब लेफ्टिनेंट की परीक्षा और फिजिकल फिटनेस टेस्ट निकालने के बाद रतलाम आए तो परिवार वालों और इष्ट मित्रों ने स्वागत किया।

16 -17 दिसंबर को राष्ट्रीय पेंशनर डे मनाया जाएगा

रतलाम। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सेंट्रल गवर्नमेंट एवं रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन एवंऑल इंडिया रिटायर्ड पेंशनर्स वेलफेयर फेडरेशन के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय पेंशन डे धूमधाम से मनाया जाएगा उपरोक्त जानकारी पेंशनर एसोसिएशन के दीप - मिलन समारोह के दौरान पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र व्यास ने उपस्थित सदस्यों एवं पदाधिकारी को दी। आपने कहा कि 16 दिसंबर को प्रात- 9.30 बजे रेलवे खेल मैदान पर पुरुष महिला सेवानिवृत्ति पेंशनर साथियों की खेलकूद स्पर्धा होगी।सायंकाल 6 बजे से जूनियर रेलवे इंस्टिट्यूट में सांस्कृतिक कार्यक्रम गिरीश सिंगिंग क्लब द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी तथा 17 दिसंबर को प्रात- 11.30 बजे जूनियर

रेलवे इंस्टिट्यूट में राष्ट्रीय पेंशनर डे सम्मेलन का उद्घाटन होगा।कार्यक्रम को वरिष्ठ सलाहकार विजय प्रकाश दुबे ने संबोधित करते हुए सभी को दीपावली एवं नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई शुभकामना दी तथा गुलाब का फूल भेंट कर सभी का स्वागत किया।कार्यक्रम को पोस्टल के दिनेश जायसवाल, यू एल जायसवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये।इस अवसर पर किशोर कुमार जादव,गोविंदसिंह, चंद्र नारायण पारिक, घनश्याम सिंह का नए सदस्य पेंशनर्स के रूप में स्वागत किया गया।

कार्यक्रम को गायक देवेंद्र वर्मा, सुरेश गोराना द्वारा गीतों की प्रस्तुति पर दीप मिलन समारोह को नृत्य के माध्यम से आनंद पैदा किया। इस अवसर पर प्रकाश चंद्र व्यास, देवेंद्र वर्मा, कमलजीतसिंह, दुर्गाप्रसाद मिश्रा, सुधीर कुमार गुमास्ते, राजेंद्र कुमार राठौर, यूं एल जायसवाल महेश कुमार ओझा, सुधीरकांत दुबे, विजयप्रकाश दुबे, गोविंद सिंह, दशरथ शर्मा, घनश्याम सिंह, रमेशचंद शुक्ला, चंद्र नारायण पारीक, मनोहरलाल सिसोदिया, किशोर कुमार जादव,अशोक प्रभाकर, लाखनराव, दिनेश जायसवाल, ठाकुर राजेंद्र सिंह झाला, महेश चंद शर्मा, रमेश जी, इकबाल खान, वी एस कटारिया, भूपेंद्र लाहौर, सी पी शर्मा, मंगल खंडेलवाल, मनोहरलाल सोलंकी, किशनलाल जायसवाल, शंभू पाल आदि उपस्थित थे।

आज मनाई जाएगी सैलाना क्षेत्र के गांधी स्व. गेहलोत की जन्म जयंती

सैलाना(मनोज भंडारी)।

सैलाना विधानसभा क्षेत्र के कद्दावर नेता, गरीबों के मसिहा,क्षेत्र के गांधी कहे जाने वाले पूर्व मंत्री सात बार के विधायक रह चुके स्व.श्री प्रभुदयाल जी गेहलोत की जन्म जयंती आज धूमधाम से सेवा दिवस के रूप में सैलाना में मनाई जाएगी।

उपरोक्त बात ब्लॉक कोंग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जगदीश पाटीदार ने देते हुए बताया कि है सोमवार को ब्लॉक कोंग्रेस कमेटी द्वारा स्व.प्रभु दयाल जी गेहलोत की जन्म जयंती मनाई जा रही है सर्वप्रथम स्व.श्री गेहलोत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत कि जावेगी जिसमें सम्पूर्ण ब्लॉक के कार्यकर्ता, नेता सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगो को आने का आह्वान करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष चैतन्य शुक्ल ने बताया कि सैलाना विधानसभा क्षेत्र के रावटी के पास एक छोटे से गांव भग्गा सेलोद का टापरा में 1934 में जन्मे स्व.श्री प्रभुदयाल गेहलोत का जन्म हुआ था ।

स्व. श्री गेहलोत बचपन से ही पढ़ाई में रुचि रखते थे। ग्रामीण क्षेत्र में सुविधा के अभाव में भी उन्होंने अपनी पढ़ाई सतत् जारी रख कर अपनेअटूट विश्वास अपने लग्न के पक्के स्व.श्री गेहलोत ने शिक्षा पूर्ण की ओर अपनी शिक्षा के दौरान गेहलोत पंडित देवप्रकाश जी के सम्पर्क में आये और उन्होंने उनकी जनसेवा की प्रतिभा को पहचाना ओर उन्हें जनसेवा के लिए राजनीति के क्षेत्र में लाये थे। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी शासकीय नौकरी की चाह नहीं रखी और उन्होंने अपने

गुरु आज्ञा में बंध कर राजनीति में आये और जनसेवा को अपना लक्ष्य बनाया। जो आज भी पूरे परिवार का लक्ष्य जनसेवा हीं है पंडित देवप्रकाश जी की यह बात उनके घर कर गई कि अपने क्षेत्र के पिछड़े पन साधनों के अभाव इन सबको राजनीति के क्षेत्र में आकर ही कम किया जा सकता है और ऐसा हुआ भी स्व. श्री गेहलोत राजनीति में आये और विधायक और उसी कार्यकाल में पंडित श्यामाचरण शुक्ल के मंत्री मण्डल में राज्य मंत्री बने और वही से क्षेत्र की सेवा की शुरुआत की उस जमाने मे फिर एक बार चुनाव जीतने पर श्री शुक्ल राजनैतिक कारणों से श्री गहलोत को मंत्री नही बना पाए और सैलाना क्षैत्र में दौरा हुआ और वहां स्व.श्री गेहलोत ने क्षैत्र में सिंचाई के लिए एक बड़े तालाब की मांग रखी थी जो श्री श्यामाचरण शुक्ल उक्त मांग को मौके पर ही मंजूर की लेकिन खुद इंजीनियर होने से श्री शुक्ल ने बताया कि तालाब बहुत बड़ा है इसमें सिंचाई का रकबा कम पड़ेगा। श्री गेहलोत ने तत्काल और वही खड़े खड़े रतलाम शहर के पेयजल की योजना भी शामिल कर दी।

उक्त योजना का आज भी रतलाम शहर लाभ ले रहा है और धोडावाड जलाशय का पानी पी रहा है । आज उस योजना का मूर्त रूप हम सरोज सरोवर ÷धोलावड बांध÷ के रूप में देख रहे हैं आज यह तालाब खरबो रुपये का है उसके बाद श्री गेहलोत ने पानी बिजली और शिक्षा के विस्तार को अपना लक्ष्य बनाया और सैलाना विधानसभा में तालाबों की श्रंखला है एक समय तत्कालीन मंत्री श्री अजयनारायन मुशरान सैलाना दौरे पर आए और उन्होंने अपने हवाई दौरे के दौरान तालाब देखकर श्री गेहलोत की बड़ी तारीफ की क्षैत्र में विकास आगे बढ़ता गया और फिर पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजसिंहजी के मुख्यमंत्री काल मे हर दो किलोमीटर पर स्कूल योजना में भी क्षेत्र में बडे स्कूल खुलवाए अपना पूरा जीवन सेवा को समर्पित कर दिया और आपने पुत्रो को भी विरासत में किराए का घर और जनसेवा करने को अपना लक्ष्य बनाने का आशीर्वाद देकर गए। है स्व.श्री प्रभुदयाल गेहलोत के बाद पुत्र हर्ष गेहलोत भी जनसेवा को उद्देश्य बनाकर राजनीति में आये है और उनका ओर परिवार का लक्ष्य जनसेवा ही है। एसे परिवार के एक महानायक गांधी वादी नेता की आज जन्म जयंती है।

श्री सांवरिया गौशाला में गौमाता की पूजन कर मनाया गोपाष्टमी पर्व

मन्दसौर। श्री सांवरिया गौशाला कुंचडोद में गौ माता का पूजन कर गोपाष्टमी पर्व मनाया गया। गौ माता को स्नान कराकर रंग मेहंदी लगाकर विधिवत पूजन कर नैवेद्य भोग लगाया। गौशाला के समस्त कर्मचारियों का पुष्पमाला धारण कराकर सम्मान किया गया तथा उन्हें पुरस्कार स्वरूप राशि भेंट की गई। इस अवसर पर गौशाला संरक्षक ठाकुर चंद्रपाल सिंह, पतंजलि योग गुरू व संगठन जिला अध्यक्ष योग गुरु बंसीलाल टांक, गौशाला कार्यकारी अध्यक्ष दशरथ कुंडेल, उपाध्यक्ष आजाद कुमार जैन, प्रेम सुख पाटीदार, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण कुंडेल, सचिव दशरथकुमार गोयल, सहसचिव कारुराम करा, सदस्य पूर्व सरपंच गोवर्धनलाल रोडवार, राधेश्याम मंडोवरा, लक्ष्मीनारायण प्रजापत, राधाकृष्ण पाटीदार, निर्मल कुमार जैन आदि उपस्थित रहे।

आंवला नवमी पर वृक्ष का पूजन कर मांगी परिवार के लिए सुख, शांति व समृद्धि

मन्दसौर। कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी दिन रविवार को स्थानीय अग्रसेन नगर स्थित चमत्कारी श्री शिवशक्ति मारुति मंदिर में मातृशक्ति ने आंवला वृक्ष की पूजन और परिक्रमा कर परिवार में सुख शांति समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। प्रातः से ही मंदिर में आंवला पूजन की धूम रही। महिलाओं ने आंवला पेड़ को रक्षा सूत्र बांधकर पूजा अर्चना कर खुशहाली का आशीर्वाद लोगों ने मांगा। वहीं विविध व्यंजनों का भोग लगाकर आपस में प्रसाद बांटा गया।

मसानिया खेल एवं युवा कल्याण विभाग में विधायक प्रतिनिधि मनोनीत

मन्दसौर। क्षेत्रीय विधायक श्री विपिन जैन ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंदसौर में विधायक प्रतिनिधि रूप में कांग्रेस नेता अनिल मसानिया को मनोनीत किया है। विधायक श्री जैन ने जिला खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंदसौर को पत्र लिखकर श्री अनिल मसानिया को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त करने की सूचना दी है। श्री अनिल मसानिया श्री कृष्ण ग्वाला गवली यादव सामाजिक संस्था के जिलाध्यक्ष पद का भी वर्तमान में निर्वहन कर रहे है तथा लम्बे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रियता से कार्य कर रहे है। उक्त जानकारी मंदसौर शहर ब्लाक महामंत्री शिवशंकर सोलंकी ने दी।

आर्ट ऑफ लिविंग का नाड़ी परीक्षण शिविर 12 नवम्बर को

मन्दसौर। आर्ट ऑफ लिविंग से संबंधित श्री श्री आयुर्वेद ट्रस्ट द्वारा नाड़ी परीक्षण शिविर 12 नवम्बर, मंगलवार को डिवाइन शॉप ,प्रियांशी आर्किटेक्ट्स, इंदौरा नमकीन के पास रोड नं. 3 कालाखेत मंदसौर में प्रातः 8.50 से दोप. 1 बजे तक एवं दोप. 3 से सायं 5.15 बजे तक पर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में आर्ट ऑफ लिविंग श्री श्री आयुर्वेद ट्रस्ट अधिकृत प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य डॉ. मानस परिहार बैंगलोर नाड़ी के माध्यम से मानसिक एवं शारीरिक विकारों परीक्षण करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए चिनमय कियावत ने बताया कि नाड़ी परीक्षण रोग निदान की एक प्रभावशाली किफायती तथा हानिरहित पद्धति है। नाड़ी परीक्षण से सर्दी जुकाम, जोड़ों का दर्द, पाचन संबंधी व्याधियां, एलर्जी, स्ट्रेस, रक्तचाप, अनिद्रा, त्वचा व बाल संबंधी बिमारियां, अधिक-कम वजन, मधुमेह, हृदय विकार, अस्थमा, आर्थराईटिस, ऑस्टियोपोरासिस, किडनी और लीवर संबंधी विकार आदि अनेक असाध्य रोगों को नियंत्रण में लाया जा सकता है। नाड़ी परीक्षा खाली पेट या भोजन लेने के ढाई घण्टे के बाद की जाती है। इस दौरान जल ग्रहण किया जा सकता है।

दशपुर जागृति संगठन का दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

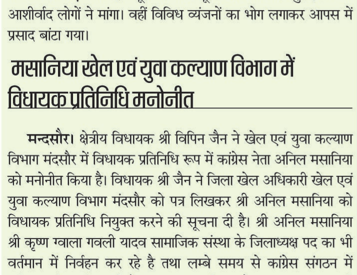

मन्दसौर। दीपावली पर्व सुख समृद्धि, हर्षोल्लास व खुशियों का पर्व है। पूरे विश्व में इसे बड़े उल्लास और उमंग से मनाया जाता है। दशपुर जागृति संगठन ने भी आशुतोष होटल पर मॉ धन की लक्ष्मी का पूजन सभी सदस्यों ने किया तथा दीप प्रज्जवलन कर आरती की। संगठन के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र पुराणिक ने कहा कि दशपुर जागृति संगठन एक छोटा सा परिवार है, घर पर तो हम पर्व मनाते ही है परन्तु साथियों के साथ मनाने का एक अलग आनन्द होता है। हम आज लक्ष्मीजी से मांगते है कि दशपुर जागृति संगठन को धनधान्य से पूर्ण करे ताकि हम क्रांतिकारियों के कार्यक्रम अच्छे से आयोजित कर सके। किसी के सामने हमें हाथ नहीं फैलाना पड़े। उपस्थित सभी साथियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। साथ ही सभी साथियों ने भी अपने उद्गार प्रकट करते हुए एक दूजे को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की। आज के दिन दो नवीन सदस्यों को जोड़ा गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव आशीष बंसल ने किया। सभी का सहयोग के लिये आभार अध्यक्ष डॉ. पुराणिक ने माना। इस अवसर पर श्री के.के. दुबे, श्री चन्द्रप्रकाश विश्नोई, श्री बी.एस. सिसौदिया, श्री हरिशंकर शर्मा, श्री महेश शर्मा, श्री महेश गुप्ता, श्री आशीष नलवाया, श्री राजेन्द्र चाष्टा, श्री मुकेश नागर, श्री हरिनारायण टेलर, श्री सुरेश गुप्ता, श्रीमती सीमा चौरडिया, श्रीमती चंचल नलवाया आदि उपस्थित थे।

संस्कृति व सनातन को बचाने में भारत विकास परिषद का महत्वपूर्ण योगदानः विधायक सिसोदिया

भारत विकास परिषद शाखा भानपुरा का शपथग्रहण समारोह सम्पन्न

भानपुरा (मंदसौर). । भारत विकास परिषद शाखा भानपुरा का शपथ ग्रहण व परिषद का दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। सरस्वती विद्या मंदिर विधालय में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक चन्दर सिंह सिसौदिया थे।अध्यक्षता शाखा के संस्थापक अध्यक्ष व पुर्व विधायक देवीलाल धाकड़ ने की, विशेष अतिथि सुनील सिंहल रिजनल सचिव मध्य भारत प्रांत, मुकेश दानगढ़ शाखा विस्तार अधिकारी मध्य भारत प्रांत,व श्रीमती सुनीता सिंहल प्रदेश महिला प्रमुख थे,साथ ही शामगढ़ शाखा के क्रष्णकातं रत्नावत,व मनोज गुजराती भी उपस्थित थे। सरस्वती पूजा के साथ शुभारंभ हुआ, वंदेमातरम गान श्रीमती प्रियंका नवलखा व स्वागत गीत श्रीमती पुष्पा नाहर व श्रीमती अन्जू कीमती ने प्रस्तुत किया,शाखा विस्तार अधिकारी मुकेश दानगढ़ ने नव नियुक्त अध्यक्ष मनोज वधवा, सचिव विजय शर्मा व महिला प्रमुख श्रीमती मनीषा कोरिया,व अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों को शपथ दिलाई गई। मनोज वधवा ने अपने पदभार ग्रहण के बाद संबोधन में कहा कि मुझे जो दायित्व दिया हे उसे पुरे संकल्प के साथ सभी के सहयोग से पुरा

करुंगा, मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक चन्दर सिंह सिसौदिया ने अपने संबोधन में कहा कि आज देश में भारत विकास परिषद कि 1400 से अधिक शाखाएं हैं भारत विकास परिषद देश में संस्कृति व सनातन को बचाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है, एक आधुनिक भारत राष्ट्र कि परिकल्पना को साकार करने का कार्य भारत विकास परिषद के माध्यम से हो रहा है आपने भानपुरा शाखा के नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाए देते हुए कहा कि शाखा जनहित,समाज हित के कार्य करें मेरा हमेशा सहयोग रहेगा, ।समारोह के अध्यक्ष पुर्व विधायक देवीलाल धाकड़ ने कहा कि सकारात्मक सोच रखकर समाज हित में कार्य करें, भारत विकास परिषद शाखा भानपुरा के कार्यो से समाज के गरीब निसहाय लोगों को लाभ मिले तब ही सार्थकता है, प्रांतीय पदाधिकारी सुनील सिंहल ने कहा कि एक लक्ष्य बनाकर कार्य करें सफलता मिलेगी समाज का परिषद् के कार्यों से भला होगा भारत विकास परिषद के आज देश में दो लाख के लगभग सदस्य है, इसे चार लाख सदस्य तक पहुंचाने का लक्ष्य है, इसमें सभी सहयोग करें। समारोह को महिला प्रमुख श्रीमती सुनीता सिंहल ने भी संबोधित किया, अतिथियों का स्वागत रजनीश वधवा, विशाल चोरड़िया,सुधीर नवलखा हेमंत जैन, सुरेश जैन राकेश माहेश्वरी,,, अमित हरसोला,,नीतेश राठोर,राकेश शर्मा,,आलोक कसेरा,सहीत अन्य पदाधिकारियों ने किया,इस अवसर पर 50 दम्पति सदस्य उपस्थित थे। संचालन दीपक कोरिया ने किया आभार नव नियुक्त सचिव विजय शर्मा ने माना।

महावीर इंटरनेशनल ने निर्धन लोगों को भोजन कराया

मन्दसौर। संस्था अध्यक्ष सीए आयुष जैन ने बताया महावीर इंटरनेशनल संस्था द्वारा कार्यकारिणी सदस्य अनिल खाबिया के सहयोग से उनके जन्मदिवस के उपलक्ष में अन्नक्षेत्र न्यास समिति द्वारा संचालित मां अन्नपूर्णा भोजनालय में निर्धन लोगों को भोजन कराया गया। इस दौरान स्वागत उद्बोधन देते हुए जोन चेयरमैन राकेश जैन ने खाबिया परिवार के इस पुनीत कार्य की अनुमोदना की और सभी सदस्यों को ऐसे आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। प्रोजेक्ट चेयरमेन अपूर्व डौसी ने माला पहनाकर अनिल खाबिया का सम्मान किया, आभार कपिल चोरडिया ने माना। इस अवसर पर जॉन कोषाध्यक्ष संजय चौधरी, पूर्व अध्यक्ष मनसुखलाल मारवाड़ी, गुणवान सिंह कोठारी, विपिन कोठीफोड़ा, राकेश चौधरी, सहसचिव विकास गौड़ावत, कार्यकारिणी सदस्य अभय पोखरना, अरविंद कुदार, भावेश बक्शी, राहुल बाबेल, संजय डौसी, ओम गोयल, पंकज मित्तल, माधुरी खाबिया निशा कोठीफोड़ा, अंतिम बक्शी, सुनीता कुदार उपस्थित थे। यह जानकारी प्रोजेक्ट चेयरमैन दीपांशु कर्णावत ने दी।

श्री उत्तरमुखी बालाजी मंदिर पर आयोजित अन्नकूट महोत्सव में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया

मन्दसौर। श्री उत्तरमुखी बालाजी रामेश्वरम् महादेव मंदिर रामघाट मंदसौर पर अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर प्रसादी का लाभ लिया। आयोजन के दौरान भगवान बालाजी का सांवलियाजी के रूप में आकर्षक श्रृंगार भी किया व मंदिर को विद्युत सज्जा से सजाया गया। मंदिर समिति अध्यक्ष कमलेश सिसोदिया पार्षद ने बताया कि प्रति वर्ष मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया जाता है इसी क्रम में इस बार भी अन्नकूट महोत्सव में भव्य महाआरती व उसके पश्चात् भगवान को अन्नकूट का भोग

लगाकर भक्तों को प्रसादी का वितरण किया गया। सायंकाल श्री उत्तरमुखी बालाजी रामेश्वर महादेव मंदिर में ढोल ढमाकों के साथ महाआरती हुई। महाआरती में अतिथि के रूप में विधायक श्री विपिन जैन, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी, पार्षद पार्षद गोवर्धन कुमावत, दीपक गाजवा, गरिमा भाटी, सुनीता भावसार, प्रमिला गोयल, समाजसेवी विकास दशोरा, पुलकित पटवा, महेश भावसार, बंटी चौहान, मनोहर नाहटा, महेन्द्र परिहार, रमेश ब्रिजवानी सहित बड़ी संख्या में धार्मिक, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं श्री उत्तरमुखी बालाजी के बड़ी संख्या भक्तगण उपस्थित रहे। अतिथियों का मंदिर समिति ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत कियां मंदिर समिति के सदस्य दीपक जैन, रोहन मारोठिया, यश मारोठिया, रवि उटवाल, प्रहलाद सहित सभी वरिष्ठ एवं युवा टीम व बालाजी भक्तों द्वारा अन्नकूट महोत्सव में तन-मन-धन से पूर्ण सहयोग प्रदान किया जिनका कमलेश सिसोदिया ने आभार व्यक्त किया।

दशपुर विद्यालय में कैरियर गाइडेंस संबंधी कार्यशाला आयोजित

मंदसौर। हर सेमिनार ज्ञान और अनुभव का खजाना लेकर आते हैं। इसी के मद्देनजर विद्यालय प्रबंधन द्वारा दशपुर विद्यालय में आज दशपुर विद्यालय एवं डेक्स्टर ग्लोबल स्कूल के कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय कैरियर गाइडेंस संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि श्री परेश लालवानी जो देश के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस, आईवीवाय लीग कॉलेज के सबसे वरिष्ठ प्रोफेसर तथा प्रसिद्ध वित्तीय विशेषज्ञ व्यवसाय सलाहकार और निपुण चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। सर्वप्रथम दशपुर विद्यालय की

कॉर्डिनेटर श्रीमती रेणुका शुक्ला द्वारा अतिथि परिचय एवं स्वागत भाषण दिया गया। इसके पश्चात विद्यालय प्राचार्य प्रिंस वी थॉमस एवं सुपरवाइजर श्री हाकिम प्रसाद शर्मा द्वारा अतिथियों को फूलों के गुलदस्ते भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इसके पश्चात छात्रों को व्यक्तिगत मनोवैज्ञानिक करियर परामर्श दिया गया। जिसमें 11वीं एवं 12वीं में अध्ययन रत छात्रों को विषय से संबंधित कैरियर की पूरी जानकारी प्रदान की गई।आपके द्वारा कॉमर्स, विज्ञान संकाय एवं कला संकाय के छात्र छात्राओं को उनके केरियर संबंधी सारी जानकारी दी गई एवं साथ ही साथ विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को भी शांत कर उन्हें संतुष्ट किया गया।

उद्यानिकी महाविद्यालय के दीक्षारंभ कार्यक्रम में हो रहे है विभिन्न आयोजन

मन्दसौर। उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर में चल रहे दीक्षारम्भ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईसीएआर-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय पुणे के निदेशक डॉ.विजय महाजन को आमंत्रित किया। इस अवसर पर उद्यानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.आई.एस. तोमर एवं समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।अतिथि का अभिनंदन पुष्पगुच्छ से बीएससी प्रथम वर्ष के छात्र द्वारा किया गया। डॉ. महाजन ने अपने उद्बोधन के दौरान प्याज की उन्नत किस्मों, नई-नई उत्पादन तकनीक एवं ड्रिप सिंचाई पर विशेष प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का

धन्यवाद डॉ. एस.एस.कुशवाहा द्वारा किया गया। इस 15 दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम में नवप्रवेशित छात्रों से प्रतिदिन योग, नित्यवंदना एवं विभिन्न विधाएं जैसे पेपर क्राफ्टिंग, वाद विवाद प्रतियोगिता, फाइन आर्ट्स, संगीत, खेलकूद इत्यादि विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। नई शिक्षा नीति के अनुसार, स्नातक (उद्यान) के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को कोर्स से संबंधित शैक्षिक प्रणाली एवं इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं की भी जानकारी दी जा रही है। इस कार्यक्रम में डॉ.एस.एन.मिश्रा (भूतपूर्व अधिष्ठाता,उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर), श्रीमती अल्पना गांधी (संगीत विशेषज्ञ), श्री प्रदीप शर्मा (फिल्म विशेषज्ञ), डॉ.केशवकांत (वैज्ञानिक ए.आर.एस.), डॉ.तेजराज सिंह हाडा (सहायक प्रोफेसर), तेजपाल सिंह शेखावत (एडवोकेट), प्रोफेसर दीपिन माथुर(प्रोफेसर,पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पाहेर यूनिवर्सिटी,उदयपुर) को भी विषय विशेषज्ञ के तौर पर व्याख्यान देने के लिये आमंत्रित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

संकुल स्तरीय प्रशिक्षण में शैक्षणिक कार्य में टैबलेट का प्रभावी उपयोग करना सीखा

मन्दसौर। लोक शिक्षण संचालनालय के पत्र अनुसार शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में संकुल स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसका विषय था ''टैबलेट का शैक्षणिक कार्य में समुचित एवं प्रभावी उपयोग कैसे किया जाए''। सर्वप्रथम मां सरस्वती का पूजन विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती ज्योत्सना शर्मा द्वारा किया गया, सरस्वती वंदना श्रीमती राज लक्ष्मण चौहान द्वारा प्रस्तुत की गई। सत्र के प्रारंभ में मास्टर ट्रेनर श्रीमती कीर्ति सक्सेना द्वारा टैबलेट में प्रदर्शन कर बताया गया कि शिक्षण को रुचिकर बनाने हेतु और विद्यार्थियों की कठिन अवधारणाओं के निवारण हेतु हम टैबलेट का उपयोग कर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को कैसे दूर कर सकते हैं। सत्र के अगले चरण में विद्यालय के कंप्यूटर प्रभारी श्री दीपक तिवारी द्वारा टैबलेट के माध्यम से नोट्स, पीपीटी, ईमेल, गूगल लेंस का उपयोग कैसे किया जाए प्रभावी तरीके से समझाया गया।इसके पश्चात् आईटी लैब प्रभारी श्री रामगोपाल राठौर द्वारा प्रोजेक्टर और एलईडी के माध्यम से यू डाइस , अपार आईडी की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा सभी से शासन की योजनाओं ,निदानात्मक कक्षाओं को लेकर चर्चा की अंत में आभार नोडल प्रभारी श्रीमती अर्चना गौड़ ने व्यक्त किया।

सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन ने मंदसौर में छात्रों को आवश्यक शैक्षिक संसाधनों से सशक्त बनाया

मंदसौर निप्र।

शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने और छात्रों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत, दाऊदी बोहरा समुदाय के धर्मगुरु परम पावन सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन ने मंदसौर में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले सरकारी स्कूलों को आवश्यक संसाधन उपहार में दिए हैं।

जिले के शीर्ष 10 प्रदर्शन करने वाले हाई स्कूलों का चयन, उनके छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर किया गया था, विशेष रूप से उन स्कूलों के छात्रों का जिन्होंने कक्षा 10 वीं और 12 वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 90त्र से अधिक अंक प्राप्त किए थे। इन असाधारण छात्रों को सम्मानित करने के लिए, मंदसौर के महारानी लक्ष्मीबाई बालिका हायर सेकेंडरी विद्यालय में आयोजित एक सम्मान कार्यक्रम के दौरान मंदसौर जिले की कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग और सैयदना साहब के प्रतिनिधियों द्वारा उन्हें लैपटॉप भेंट किए गए। कार्यक्रम में जिले के दाऊदी बोहरा समुदाय के वरिष्ठ सदस्यों ने भी भाग लिया।

कलेक्टर गर्ग ने कहा कि शिक्षा का स्तर केवल शिक्षक या शिक्षा विभाग के प्रयासों से बेहतर होना संभव नहीं है, इस के लिए प्रत्येक

समाज और संस्था को भी आगे आकर काम करना चाहिए कार्यक्रम मे उपस्थित जिला पंचायत सीइ.ई.ओ राजेश जैन ने बताया किशिक्षा नैतिकता व सामाजिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए । स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता व उजाला बाँटने की प्रेरणा किसी से लेना हो तो वह बोहरा समाज के धर्मगुरु सैयदना साहब से लेनी चाहिए। इस नेक कार्य के लिए आभार व्यक्त करते हुए, जिला शिक्षा अधिकारी (डी.ई.ओ) लोकेंद्र डाबी ने कहा, मंदसौर मे हमारे छात्रों का समर्थन करने के लिए, मैं सैयदना साहब का बहुत आभारी हूं, जो हाल ही मे मंदसौर आए थे। मुझे विश्वास है कि यह पहल डिजिटल विभाजन को पाटने और हमारे छात्रों के डिजिटल कौशल को बढ़ाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा, नवीनतम तकनीक तक पहुंच प्रदान करके, हम न केवल अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि अपने जिले में संचालन की अगली पीढ़ी को तैयार भी कर रहे हैं।

स्थापनाओं में सहायता करने वाले समाज के समन्वयक डॉ. मज़हर हुसैन ने बताया कि सैयदना साहब शिक्षा के उद्देश्य को बढ़ावा देना और ज्ञान और संसाधनों के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाना जारी रखते हैं। इस समर्थन से 10 स्कूलों में 5,000 से अधिक छात्रों को लाभ होगा, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जहां संसाधन अपर्याप्त हैं वहां लाभ पहुंचेगा। यह भेंट दाऊदी बोहरा समाज के वैश्विक परोपकारी प्रयास का हिस्सा है जिसे प्रोजेक्टराइज़ के नाम से जाना जाता है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, भोजन, पोषण और पर्यावरण संरक्षण तक बेहतर पहुंच प्रदान करने के लिए स्थानीय समुदायों और संगठनों के साथ सहयोग करता है।

विक्रांत मैसी अपने आइडल से मिलें

कौन बनेगा करोड़पति में आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार और बेहद प्रतिभाशाली विक्रांत मैसी अपनी अवॉर्ड विजेता फिल्म '12वीं फेल' को प्रमोट करने के लिए पहुंचें।जब श्री बच्चन ने आईपीएस अधिकारी डॉ. मनोज कुमार से पूछा कि उन्हें इस शो में आकर कैसा महसूस हो रहा है, तो डॉ. मनोज कुमार ने जवाब दिया, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह शो यूपीएससी की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए इतना फायदेमंद होगा। फिल्म 12वीं फेल में डॉ. मनोज कुमार का किरदार निभाने वाले, विक्रांत मैसी अमिताभ बच्चन के साथ हॉट सीट पर बैठें, और उन्होंने महान अभिनेता की तारीफ करते हुए कहा, इस हॉट सीट पर बैठना और आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। 20 साल के करियर में, यह पहली बार है कि मुझे आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलने का मौका मिला है।

करीना से शादी करने पर सैफ को मिली थी धमकियां

सैफ अली खान ने बताया था कि जब उन्होंने करीना कपूर के साथ शादी की अनाउंसमेंट की थी, तब उन्हें धमकियां मिलती थीं। धमकियों में कहा गया था कि दोनों के परिवारों को नुकसान पहुंचाया जाएगा। हालांकि उन लोगों ने इन धमकियों पर ध्यान नहीं दिया और अक्टूबर 2012 में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी कर ली। रैडिफ के एक पुराने इंटरव्यू में सैफ ने कहा था- कुछ लोग हमारी शादी से खुश नहीं थे। मेरे ससुर (रणधीर कपूर) को गुमनाम लोगों से कुछ लेटर मिले थे।

चरित्रों की गिरगिट हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी तेजी से बॉलीवुड के सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक के रूप में उभरी हैं, जटिल नाटकों से लेकर डरावनी कॉमेडी तक, उन्होंने विविध प्रकार के किरदारों को आसानी से निभाया है, जिससे हर एक यादगार बन गया है। भूल भुलैया 3 में तृप्ति डिमरी ने एक और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया। मीरा के रूप में, उन्होंने एक अभिनेत्री के रूप में अपनी रेंज का प्रदर्शन किया, और दिलचस्प कथानक में गहराई जोड़ दी। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो - मेंविद्या के रूप में, तृप्ति अपनी भूमिका में एक जीवंत ऊर्जा और प्रामाणिकता लाती है। बैड न्यूज़ में, तृप्ति डिमरी ने ताज़ा, जीवंत गतिशीलता जोड़ते हुए अपनी त्रुटिहीन हास्य टाइमिंग का प्रदर्शन किया। एनिमल में ज़ोया रियाज़ के रूप में, तृप्ति ने अपराध और नैतिक जटिलता की दुनिया में कदम रखा। काला में, तृप्ति ने काला मंजुश्री की शीर्षक भूमिका निभाई, जो एक परेशान युवा महिला थी जो अपनी मां के साथ एक जटिल रिश्ते और अपने आंतरिक संघर्षों से गुजर रही थी। बुलबुल में, तृप्ति एक ऐसी महिला में बदल गई जो चौड़ी आंखों वाली दुल्हन से एक रहस्यमय अतीत के साथ एक शक्तिशाली लेकिन रहस्यमय व्यक्ति में विकसित होती है। लैला मजनू में तृप्ति की सफल भूमिका ने उन्हें लैला के रूप में पेश किया।

आनंदजी की आंखें भर आईं

शो सारेगामापा इस सीज़न में इस वीकेंड, मशहूर संगीतकार आनंदजी वीरजी शाह शो के सेट पर नजर आएं। इस मौके पर कंटेस्टेंट्स - महर्षि और शुभाश्री ने 'किसी राह में, किसी मोड़ पर' गाने पर एक खूबसूरत परफॉर्मेंस दी। इसके बाद आनंदजी ने अपने स्वर्गीय भाई कल्याणजी की एक भावुक याद साझा की। उन्होंने बताया कि यह उनके पसंदीदा गानों में से एक था। बीमारी के दौरान भी, इस गाने को सुनकर उन्हें सुकून मिलता था। आनंदजी जब अपने भाई के बारे में बता रहे थे, तब उनकी आंखें भर आई, जो यह दर्शा रही थीं कि उनकी ज़िंदगी में कल्याणजी की कमी कितना गहरा असर करती है।

राहुल और अथिया के यहां आने वाला है नया मेहमान

टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल और उनकी पत्नी अथिया शेट्टी के यहां नया मेहमान आने वाला है। यही वजह है कि यह इस समय बेहद खुशी के पल जी रहे हैं। इस बारे में राहुल ने सोशल मीडिया पर एक प्यारे संदेश के साथ बताया कि हमारा खूबसूरत आशीर्वाद जल्द ही आ रहा है, 2025। इस घोषणा के बाद से उनके फैंस और करीबी दोस्त उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। राहुल और अथिया ने 23 जनवरी, 2023 को शादी की थी। यह खास समारोह सुनील शेट्टी के खंडाला स्थित घर में हुआ था, जिसमें केवल करीबी परिवार और दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी से पहले का उत्सव 21 जनवरी को पारंपरिक तरीके से मनाया गया था। उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत 2019 में हुई थी, जब दोनों एक पारस्परिक मित्र के जरिए मिले थे। शुरुआत में दोनों ने अपने रिश्ते को छिपाकर रखा, लेकिन बाद में 2020 में थाईलैंड में की गई अपनी यात्रा की एक तस्वीर के जरिए उन्होंने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। अथिया के पिता और बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी हमेशा से राहुल के बड़े समर्थक रहे हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने यह भी संकेत दिया था कि वह दादा बनने के लिए तैयार हैं। अब उनकी यह इच्छा पूरी हो रही है, और उनके परिवार में खुशियों का माहौल है। सुनील शेट्टी ने हमेशा राहुल की दयालुता और व्यक्तित्व की तारीफ की है, और कहा है कि अथिया उनके लिए बेहद भाग्यशाली हैं कि उन्हें ऐसा जीवनसाथी मिला है।

जॉर्जिया ने ब्राइडल लहंगे में बिखेरी खूबसूरती

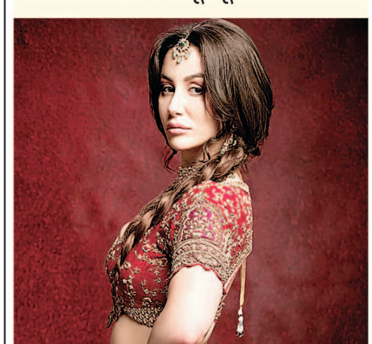

जॉर्जिया एंड्रियानी की रॉयल ब्राइडल लुक में हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया जब उन्होंने हरष और अंकुश कोट्योर के डिजाइन किए हुए शानदार लाल लहंगे में फोटोशूट कराया। यह फोटोशूट फैबलुक मैगजीन के कवर के लिए खास तौर पर किया गया था। जॉर्जिया ने इस फोटोशूट में लाल रंग का खूबसूरत लहंगा पहना, जिसमें जरी और जरदोजी का बेहतरीन काम किया गया था। यह लहंगा मधुबन की प्राकृतिक सुंदरता को दर्शाते हुए बेहद सुंदर कढ़ाई से तैयार किया गया है। लहंगे के साथ एक शानदार ऑर्गेंजा दुपट्टा था, जिसमें बारीक कढ़ाई की हुई बॉर्डर और एक पारदर्शी घूंघट था, जिसने इस पूरे लुक को शाही लुक दिया।

कटारी के नेगेटिव किरदार को जी रही हैं स्तुति

शो साझा सिंदूर में भोली और मासूम फूली के किरदार में अपनी अदाकारी के लिए मशहूर स्तुति विंकले अब अपने अभिनय के स्तर को और ऊँचा उठाते हुए इस शो में डबल रोल निभा रही हैं। हाल ही में स्तुति को एक हैरान करने वाले नए रूप में देखा गया है, जहाँ वो कटारी के नेगेटिव किरदार को जी रही हैं। कटारी के किरदार के बारे में बात करते हुए स्तुति विंकले ने बताया मुझे हमेशा लगता था कि मैं कुछ भी कर सकती हूँ, पर अब जाकर मुझे सच में ऐसा महसूस हो रहा है और ये बड़ा रोमांचक है! जब मुझे कटारी के किरदार के बारे में पता चला, तो मैं नर्वस थी। मुझे कभी लगा ही नहीं था कि मैं ऐसा नेगेटिव रोल निभा पाऊँगी क्योंकि मैं ऐसे किरदारों से हमेशा थोड़ी डरी रहती थी।

पशु प्रेमी हैं सौंदर्या शर्मा

अभिनेत्री सौंदर्या शर्मा वास्तविक जीवन में, हमेशा परोपकारी प्रकृति की व्यक्ति रही हैं और वह जिस तरह की पशु प्रेमी हैं, उन्होंने हमेशा इसे जानवरों के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने की पूरी कोशिश की है। खुद एक पालतू माँ होने के नाते, वह जानवरों के भावनात्मक अंश को समझती हैं । सौंदर्या शर्मा ने पटाखा मुक्त दिवाली त्योहार मनाने की अपनी प्रतिज्ञा को जारी रखने का फैसला किया और उसने ऐसा कर दिखाया। इस साल भी वह बिना पटाखों के दिवाली मनाई।

लव और कुश ने अश्वमेध के घोड़े को रोका

श्रीमद् रामायण में श्री राम (सुजय रेऊ) और सीता (प्राची बंसल) की महाकाव्य कहानी बताई गई है। हाल के एपिसोड में दर्शकों ने लव (शौर्य मंदोदरा) और कुश (अथर्व शर्मा) को अश्वमेध यज्ञ देखने के लिए अयोध्या में प्रवेश करते और आखिरकार अपने आदर्श श्री राम से मिलते देखा। हालांकि, वे दिव्य जोड़े के अलग होने की सच्चाई जानकर निराश और हैरान रह गए। जैसे ही अश्वमेध यज्ञ अपने अंत के करीब पहुंचता है, शत्रुघ्न (समर्थ्य गुप्ता) को पवित्र घोड़े की जिम्मेदारी दी जाती है। इस बीच, लव और कुश अभी भी इस बात का जवाब खोज रहे हैं कि श्री राम और सीता अलग क्यों हुए, एक सच्चाई जो उनके प्रयासों के बावजूद उनसे दूर हो गई है। भाग्य शत्रुघ्न को उनके रास्ते में लाता है, लेकिन एक नई चुनौती तब सामने आती है जब लव और कुश अश्वमेध के घोड़े को रोकने में कामयाब हो जाते हैं, इस उम्मीद में कि भगवान राम उनके पास आएंगे, जिससे वे सीता से उनके अलग होने के बारे में जवाब खोजने के करीब पहुंच जाएंगे।

प्रियंका की बेटी मालती मैरी ने खींचा सभी का ध्यान

प्रियंका चोपड़ा भले ही भारत से दूर अमेरिका में रहती हैं, लेकिन वह हमेशा अपनी भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को अपनी बेटी से जोड़ने का कोई भी मौका नहीं छोड़तीं। सोशल मीडिया पर हाल ही में प्रियंका ने अपने परिवार के साथ बिताए खास पलों की तस्वीरें शेयर कीं, जो उनके फैंस को काफी पसंद आईं। प्रियंका की इन तस्वीरों में उनकी बेटी मालती ने सभी का ध्यान खींचा। एक तस्वीर में मालती इंडियन बार्बी डॉल के साथ खेलती हुई नजर आई, जिसे मशहूर डिजाइनर अनीता डोंगरे ने खूबसूरती से डिज़ाइन किया था। मालती ने नाइटवियर पहना था और अपनी खूबसूरत इंडियन बार्बी डॉल के साथ मस्ती कर रही थी। इस बार्बी डॉल को पहनने वाली लड़की को भारतीय डिजाइनर लहंगे में इस प्यारी छोटी बार्बी को देखकर खुशी जरूर होगी। प्रियंका ने इस बार दीवाली और हैलोवीन दोनों त्योहारों को साथ में मनाया। एक और तस्वीर में मालती अपने पापा निक जोनास के साथ मस्ती करती हुई दिखाई दी।

शांभवी ने साझा की छठ पूजा से जुड़ी यादें !

शो 10:29 की आखि़री दस्तक में प्रीति का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शांभवी सिंह के लिए भी छठ पूजा उनके दिल के बहुत करीब है। पटना में पली-बढ़ी शांभवी आज भी उस खुशी को महसूस करती हैं, जब पूरा परिवार खासकर उनकी माँ और दादी मिलकर छठ पूजा के लिए पकवान बनाती थीं। त्योहार के दौरान घर में घूम रही महक और सबका साथ मिलकर काम करना, ये सभी यादें उनके दिल के बहुत करीब हैं।पटना की बेटी होने के नाते, छठ पूजा मेरे दिल में एक खास जगह रखती है। यह साल का वो खूबसूरत वक्त होता था जब पूरा परिवार - माँ, दादी, सभी एक साथ होते थे। रसोई में पकवान बनाने की हलचल, प्यार और भक्ति के साथ तैयार होती खीर, ताजे गुड़ और पूरियों की महक से घर का हर कोना जैसे संस्कृति और अपनत्व से महक से भर उठता था।

संग्राम सिंह ने रु फैशन वीक में रैंप वॉक किया

भारतीय पेशेवर पहलवान संग्राम सिंह ने रु फैशन वीक में डिज़ाइनर अंजलि फौगाट के लिए रैंप वॉक किया। रुफैशन वीक का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय अनुभव था। यह एक प्रतिष्ठित मंच है जिसमें बहुत से डिज़ाइनर, मॉडल और फैशन के दीवाने भाग लेना चाहते हैं, इसलिए उस ऊर्जा का हिस्सा बनना अवास्तविक लगा। इसके अलावा, मुझे पहली बार अंजलि से मिलने और उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला। उनके साथ सहयोग करना वास्तव में फायदेमंद था; उनमें बहुत क्षमता है और उद्योग के लिए एक अनूठी दृष्टि है। ।

खुद करती हूँ मेकअप

अभिनेत्री संगीता घोष फिलहाल सन निओ के बहुप्रतीक्षित शो साझा सिंदूर में नज़र आ रही हैं। टेलीविजन इंडस्ट्री में सालों का अनुभव रखने वाली संगीता अपने अभिनय के साथ-साथ हर किरदार में एक अनोखा और व्यक्तिगत स्पर्श जोड़ने के प्रति अपनी लगन के लिए भी सराही जाती हैं।संगीता घोष ने बताया, अपने हर शो में, मैं खुद अपने आउटफिट्स चुनती हूँ ताकि अपने किरदार की मेरी सोच के अनुसार मैं अपना लुक को तैयार कर सकूं। मुझे अपने लिए गहने, जैसे चूड़ियाँ और अन्य आभूषण खुद चुनने में भी मजा आता है, ताकि स्क्रीन पर मेरा अंदाज़ पूरी तरह से उभर सके।

राग दरबारी

चुनावी कविताओं के फंडेबाजी

चुनावों में कविता का जोर चल रहा है। हर तरफ वोटर के आगे कविता बाजी पल रही है। हर एक नेता के मन में कुर्सी की फसल डल रही है। नेता के नारे, वादे, जुमले, गारंटी आदि बातें फल रही है। इधर एक पुरानी फ्लॉप कविता फिर से जोर पकड़ रही है। चुनाव में कविता खड़ी-खड़ी अकड़ रही है। गली कुंचे में विराजे वोटर को पकड़-धकड़ रही है। चारों ओर यह कविता सुनाई दे रही है- आइए फटाफट, खाइए खटाखट। हजम कीजिए गटागट, फ्री रोटी खाइए झटाझट। वोटों की करें सजावट, बिजली का ठीक करूंगा कटावट। इतनी मत कर झल्लाहट, बांग्लादेशी की करूंगा बसावट। आई है बड़ी गर्माहट, वोटर पट रहे हैं पटापट। वादों में कर गिरावट और जुमले की कर दिखावट। चारों ओर कर दे मिलावट, वोटों की आ जाए तरावट। यह कैसी बनावट, समझ नहीं आ रही लिखावट। क्यों कर रहा है इतनी कचावट, मेरी सरकार आने दे चाटुंग चटाचट। वोट मुझे देना खटाखट, वरना कर दूंगा सफाचट। थप्पड़ पड़ी तो गाल करेगा झन्नाहट, सेकंडों में खत्म कर दूंगा चिल्लाहट। क्यों कर रहा है इतनी गुर्राहट, मिटा दूंगा तेरी बसाहट। देख रहा हूं बहुत देर से मचा रहा है रंभाहट, यह कोई तेरी गली नहीं यह है गंगातट। भ्रष्टाचार की लस्सी मत पी गटागट, वरना बिगड़ जाएगी तेरे शरीर की बनावट। हमारे गठबंधन की यही है बसावट, यही है ठगबंधन की बुनावट। लगावट, छायानट, बुलाहट, सुधाघट, बुनावट, खिलावट, गिरावट, दिखावट, बिछावट, मिलावट, लिखावट! कविता की मची है गड़गड़ाहट!

चुनावी मार्केट में एक नई कविता चल रही है। चुनावी नारों का खेल फल रहा है। चुनावी नारे बड़े मजेदार, हर बार बदलते, जैसे बाजार। कल जो कहे गरीबी हटाओ, आज वही महंगाई बढ़ाओ! सबका साथ, करो विकास, हर कोने में गूंजे ये खास। पर चुनाव बीतते ही गायब हो जाए, जैसे गधे के सिर से सींग फट जाए! अबकी बार, दल-बदल सरकार, सुनो वोटर इसमें है सिर। हर बार ये हल्ला मचा बेजोड़। सरकार तो आ जाए पल में, पर विकास पीछे रह जाए छोड़। विकास पुरुष और नारी शक्ति, हर नारे में झूठी भक्ति। पर वादों की पोल जब खुलती है, जनता पर फिर हो जाती सख्ती। हर चुनाव में बस नारे बदलते, वादों की नई रेलगाड़ी चलती। चुनावी मार्केट में तो बस यही कविता पलती।

मार्केट में एक और कविता चल रही है। कविता का शीर्षक है- खतरे में। हमारा संविधान खतरे में। हमारा लोकतंत्र खतरे में। हमारा चुनाव खतरे में। हमारी कुर्सी खतरे में। हमारी वोटर आईडी खतरे में। हमारी चुनाव प्रक्रिया खतरे में। हमारी जमीन खतरे में। हमारे वादे खतरे में। हमारे संकल्प पत्र खतरे में। हमारा भरोसा खतरे में। इलेक्शन डेट है खतरे में। जनतंत्र है खतरे में। देश आया है खतरे में। तुम्हारा धर्म हुआ खतरे में। तुम्हारी जाति पड़ी है खतरे में। खतरे में भाई खतरे में। सब कुछ लुटा है खतरे में। बोलो बहना खतरे में। बोलो भैया खतरे में। लुटा पिटा हूं खतरे में। खतरा भी है अब खतरे में। बोलिए खतरा जुमले की जय!

रामविलास जांगिड़, 18, उत्तम नगर, घूघरा, अजमेर (305023) राजस्थान

बुधनी में गड़बड़ाया चुनावी गणित, कांटे की हुई टक्कर

इन्दौर (नप्र)। भाजपा का गढ़ बन चुकी सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा सीट इस बार भाजपा के लिए पूर्व की तरह बेहद आसान नहीं दिख रही है। इसकी वजह है यहां पर भाजपा प्रत्याशी का स्थानीय स्तर पर होने वाला विरोध है। इसका फायदा कांग्रेस को मिलता दिख रहा है। यही वजह है कि भाजपा के रणनीतिकारों को चुनाव प्रचार के लिए शिवराज सिंह चौहान को मैदान में उतारना पड़ा है।

इस सीट पर भाजपा व कांग्रेस को छोडक़र दूसरे दलों के प्रत्याशियों ने चुनावी समीकरण बिगाड़ दिए हैं। यही वजह है कि राजनैतिक पंडितों के अनुमान भी अब गड़बड़ाते नजर आना शुरु हो गए हैं। दरअसल, यह पहला चुनाव है, जब भाजपा का पारंपरागत वोटर किसान और राजपूत समाज की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है, तो वहीं कांग्रेस को सपा प्रत्याशी की वजह से नुकसान उठाना पड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की इस परंपरागत सीट पर इस बार बीजेपी ने विदिशा से पूर्व सांसद रहे रमाकांत भार्गव और कांग्रेस ने राजकुमार पटेल को चुनाव मैदान में उतारा है। शिवराज सिंह चौहान के उम्मीदवार न होने से कांग्रेस को इस बार इस सीट पर जीत की उम्मीद जागी है। पार्टी ने एक बार फिर राजकुमार पटेल को उतारा है, जो 1993 में इस सीट से चुनाव जीत चुके हैं। इस सीट पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच कई बार कांटे की टक्कर रही है। यहां पर पहला चुनाव 1957 में हुआ था, जिसे कांग्रेस के राजकुमारी सुराज काला ने जीता था। इसके बाद से इस सीट पर 17 बार चुनाव हुए हैं। इनमें से 5 बार ही कांग्रेस जीत दर्ज कर सकी। जबकि 11 बार बीजेपी और 1 बार 1962 में निर्दलीय उम्मीदवार ने चुनाव जीता था। बुधनी विधानसभा सीट पर 1998 के बाद से कांग्रेस कभी नहीं जीत सकी है। 1998 में कांग्रेस के देव कुमार पटेल ने आखिरी चुनाव जीता था। इसके बाद शिवराज सिंह छह बार चुनाव जीत चुके हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज की थी। उन्होंने बुधनी सीट से 70.70 फीसदी वोट प्राप्त किए थे। उन्हें 1 लाख 64 हजार 951 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार और अभिनेता रहे विक्रम मस्ताल शर्मा 59 हजार 977 वोट लेकर हार गए थे। 2006 के विधानसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के पूर्व विधायक राजकुमार पटेल को हराकर विधायक का पहला चुनाव जीता था। इस बार इस सीट पर पहली बार भाजपा को किसानों के साथ ही राजपूत समाज की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। नसरूल्लागंज के किसानों ने चुनाव के बहिष्कार का ऐलान किया है। वहीं, पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह राजपूत को टिकट न मिलने से करणी सेना ने अजय सिंह राजपूत को अपना उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतार दिया है। दूसरी तरफ, कांग्रेस उम्मीदवार राजकुमार पटेल क्षेत्र के लिए जाना-पहचाना चेहरा हैं लेकिन समाजवादी पार्टी ने अर्जुन आर्य को मैदान में उतार कर उनके लिए मुसीबत पैदा कर दी है। यही वजह है कि अपने चुनाव के समय जितना समय चौहान ने बुधनी में नहीं दिया उससे अधिक अब देना पड़ रहा है। अब तक बुधनी में चौहान की करीब एक दर्जन सभाएं हो चुकी हैं। इन सभाओं में उन्हें कहना पड़ रहा है कि चिंता क्यों करते हो, मैं कहां जाऊंगा? मैं कहीं नहीं जाऊंगा। मरकर भी नहीं छोड़ूंगा। चला जाऊंगा तो दोबारा यहीं पैदा हो जाऊंगा। दिल्ली दूर थोड़ी है, मैं बीच-बीच में आऊंगा। इसके अलावा भाजपा प्रत्याशी के लिए कार्तिकेय, सीएम डॉ. मोहन यादव समेत तमाम बड़े नेता चुनाव प्रचार में जुटे हैं। उधर, कांग्रेस उम्मीदवार राजकुमार पटेल के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी हर दूसरे-तीसरे दिन प्रचार करने पहुंच रहे हैं। जीतू पटवारी बीजेपी पर हमलावर हैं। वे सवाल उठा रहे हैं कि 20 साल में शिवराज ने बुधनी में 20 काम भी नहीं किए। राजकुमार पटेल पुराने संबंधों का हवाला देकर वोट मांग रहे हैं।

करना पड़ रहा लंबा इंतजार

इस समय सोयाबीन और मक्का की मंडियों में आवक है। किसान फसल बेचने के लिए मंडी पहुंच रहे हैं। नसरुल्लागंज के किसान कहते हैं कि मेरे पास 20 एकड़ जमीन है लेकिन वर्तमान में बहुत समस्याएं हैं। मंडी में फसल बेचने के लिए दो-तीन दिन इंतजार करना पड़ता है। सरकार ने गेहूं 2700 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर खरीदने का वादा किया था, लेकिन खरीदा गया 2400 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से। बिजली भी 5-6 घंटे से ज्यादा नहीं मिल पाती है।

यह है जातीय गणित

अगर इस सीट के जातीय गणित पर नजर डालें तो सर्वाधिक मतदाता अनुसूचित जनजाति की है। उनकी संख्या करीब 65 हजार है। इसी तरह से ब्राह्मणों की 25 हजार, अनुसूचित जाति की 40 हजार, यादव 37 हजार, मुस्लिम 22 हजार, किरार 15 हजार राजपूत 20 और जाट मतदाताओं की संख्या 10 हजार बताई जाती है।

करणी सेना से नुकसान

इस सीट पर पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह राजपूत को यहां से टिकट नहीं मिला तो करणी सेना ने अजय सिंह राजपूत को अपना उम्मीदवार खड़ा किया है। यहां राजपूत समाज के वोटरों की संख्या 20 हजार के करीब है। राजपूत की पकड़ अन्य समाजों के वोटरों पर भी अच्छी है, जिसका नुकसान भाजपा को होना तय माना जा रहा है। इसी तरह से बुधनी के किसान सरकार से नाराज चल रहे हैं। उनका आरोप है कि सरकार ने फसलों पर एमएसपी बढ़ाने का वादा पूरा नहीं किया। उपचुनाव से पहले किसान स्वराज संगठन के बैनर तले किसानों ने बड़ा आंदोलन किया था। ट्रैक्टर रैली निकालकर एक सभा नसरुल्लागंज में अयोजित की थी। इस सभा में मतदान के बहिष्कार का ऐलान किया गया। किसानों की समस्या बड़ा चुनावी मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है। सूत्रों का कहना है कि किसानों ने सरकार के खिलाफ बैनर-पोस्टर लगाए थे लेकिन प्रशासन ने हटा दिए। इसके बाद मौन विरोध का फैसला लिया गया। उधर, समाजवादी पार्टी के अर्जुन आर्य आदिवासी किसान नेता हैं। पिछले लंबे समय से आदिवासी और किसानों के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। पहले वे कांग्रेस में थे। जब कांग्रेस से उन्हें टिकट नहीं मिला तो उन्होंने समाजवादी पार्टी से टिकट लाकर चुनावी मैदान में उतर गए हैं।

आखिर मंत्री पर भारी पड़ीं विभाग की वित्त अधिकारी

इन्दौर (नप्र)। विभागीय समीक्षा के दौरान अनियमितता सामने आने के बाद मप्र पाठ्यपुस्तक निगम में पदस्थ महिला वित्त अधिकारी अंजू सिंह को स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के निर्देश पर हटा दिया गया था और उनकी सेवाएं मूल विभाग को सौंप दी गई थी। लेकिन करीब डेढ़ माह बाद अंजू सिंह को हटाने का फैसला स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह को आखिरकार बदलना पड़ा। इसको लेकर प्रदेश की प्रशासनिक वीथिका में चर्चाओं का दौर जोरों पर है। गौरतलब है कि महिला वित्त अधिकारी की कार्यप्रणाली से नाराज होकर स्कूल शिक्षा मंत्री ने 23 सितंबर को मूल विभाग में भेजने के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रबंध संचालक, मप्र पाठ्यपुस्तक निगम ने इन्हें कार्यमुक्त करते हुए मूल विभाग में भेजने के आदेश भी जारी कर दिए थे, लेकिन अब स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव ओएल मंडलोई ने इस आदेश को निरस्त करते हुए महिला वित्त अधिकारी अंजू सिंह को पाठ्यपुस्तक निगम में ही यथावत रखने के आदेश जारी कर दिए हैं। इसके आदेश के बाद विभागीय गलियारों में हडक़ंप मच गया है। कर्मचारियों से लेकर अधिकारी वर्ग तक दबी जुबां से बस यही चर्चा है कि महिला वित्त अधिकारी अंजू सिंह की जिद के आगे स्कूल शिक्षा मंत्री को झुकना पड़ गया। अंजू सिंह की पूर्व में निगम में शिकायतें हो चुकी है। पूर्व में राज्य मंत्री स्कूल शिक्षा ने भी इसकी जांच के आदेश दिए थे। प्रबंध संचालक विनय निगम ने इसकी जांच की थी। 15 जनवरी के पत्र की जांच में सामने आया कि वर्तमान में सभी वित्त अधिकारी सातवां वेतनमान ले रहे हैं, लेकिन अंजू छठवां वेतनमान ही ले रही है। इसके अलावा जांच पत्र में कई बिंदु है। विभागीय जानकारों के अनुसार, महिला वित्त अधिकारी अंजू सिंह पाठ्यपुस्तक निगम के एमडी विनय निगम पर गंभीर आरोप लगा चुकी है।

समीक्षा के दौरान मिली थी 5 बड़ी अनियमितताएं

दरअसल, मप्र पाठ्य पुस्तक निगम के कामकाज की समीक्षा करने के दौरान प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह को वित्त महाप्रबंधक अंजू सिंह की 5 बड़ी अनियमितताएं मिली थी। मंत्री को यह जानकारी भी दी गई थी कि उनके सरकारी रिकॉर्ड से जुड़े वो दस्तावेज भी सामने आए हैं। एक में उनके पति का नाम राकेश कुमार सिंह और दूसरे में ऋषि राज वर्मा लिखा है। एक दस्तावेज 8 जनवरी 2024 का है और दूसरा 10 नवंबर 2017 का है। संदिग्ध पहचान का मामला सामने आने के बाद पाठ्य पुस्तक निगम ने तीन बार अंजू सिंह को पत्र लिखकर अपना पक्ष मय दस्तावेजों के साथ रखने के लिए कहा था। अंजू सिंह ने इस पर अपना पक्ष नहीं रखा है।

किसान खाद के लिए त्राही-त्राही कर रहा है, उसकी

दोषी और अपराधी है भाजपा की सरकार: जीतू पटवारी

इन्दौर। लगातार किसान भाईयों से खाद के लिए लाइनों में खड़े रखने वाली और लाठियों से पिटवाने वाली भाजपा पार्टी के अध्यक्ष वी.डी. शर्मा के खाद की कमी नहीं हैं बयान पर सवाल करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष वी.डी. शर्मा पर पलटवार किया है।

श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा के लोग 1200-1300-1700 और 2000 रूपयें तक में ब्लैक में खाद बैचते हैं और किसान खाद के लिए दर-दर भटक रहे हैं। इस मामले में भाजपा के मण्डल अध्यक्ष से लेकर ब्लाक अध्यक्षों तक के वीडियों भी सामने आयें हैं। महू हो, सेंधवा हों या प्रदेश के अन्य क्षेत्र हो, खाद को लेकर परिस्थिति विकट है। बुधनी में खाद की किल्लत है, यह वहां के किसान खुद बता रहे हैं। भाजपा पिछली बार एक लाख आठ हजार से जीती थी, यदि खाद का वितरण सही होगा लोगों को समय पर सही दाम पर खाद मिल रहीं होगी तो इस बार एक लाख नौ हजार से जीतेगी भाजपा। लेकिन सच्चाई विपरीत है खाद के लिए बुधनी में किसान त्राहिमाम कर रहे हैं।

श्री पटवारी ने कहा कि बुधनी में लोग भाजपा के खिलाफ हुये हैं तो स्वाभाविक है कुछ तो हुआ है। किसान के हित की बात, उनके अधिकार की बात और खाद की किल्लत का असर बुधनी में अद्भुत और अकल्पनीय है। उन्होंने कहा कि वीडी षर्मा मेरे एक सवाल का जबाव दें, कि मप्र में रबी और खरीफ की फसल में कितना डीएपी का आंकलन किया गया है कि कितनी आवष्यकता है, यूरिया को लेकर मप्र सरकार ने आंकलन किया था कितनी आवष्यकता है, कितनी डिमांड की केंद्र सरकार से और कितना आया है, मांग के अनुसार अगर कम आया केवल 20 30 प्रतिशत ही आया तो खाद की किल्लत क्यों नहीं होगी?

उन्होंने कहा कि भाजपा और वी.डी. शर्मा किसको मूर्ख बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि वोट मिला है तो उसके मद में मदमस्त न हो भाजपा, वोट मिला है तो किसानों की आंखों में मिर्ची न झौंके। यह सच्चाई है कि प्रदेश में खाद की किल्लत है और इसके लिए किसान त्राही-त्राही कर रहा है तो इसके लिए दोषी और अपराधी है तो वह है भाजपा की सरकार।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

महाविकास अघाड़ी और महायुती गठबंधन की रेस

मुंबई । महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनावों का माहौल गरम हो गया है, जहां महाविकास अघाड़ी और महायुती गठबंधन आमने-सामने हैं। चुनावी उद्घाटन की तारीख के नजदीक आते ही यह जंग और भी तेज़ हो गई है। पिछले लोकसभा चुनावों में 48 सीटों पर जीत हासिल करने वाली महाविकास अघाड़ी को इस बार कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन इसके बावजूद, उनके प्रमुख और संस्थापक नेता शरद पवार ने सरकार द्वारा शुरू की गई लड़की बहन योजना को लेकर अपनी राय दी है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है, जिसका महिलाओं के बीच में समर्थन प्राप्त कराने में जीत की संभावना हो सकती है। पवार का मानना है कि जनता में बदलाव की मांग हौसला अफजाई कर रही है, जिससे महाविकास अघाड़ी को फायदा हो सकता है। यहां तक कि अगर महाविकास अघाड़ी को बहुमत मिलता है तो सबसे बड़े दल के नेता को मुख्यमंत्री के तौर पर चुना जा सकता है। चुनावी मैदान में महाविकास अघाड़ी और महायुती गठबंधन के बीच माथापच्ची नहीं है, बल्कि सामूहिक नेतृत्व में एकता का टिकटॉक दिख रहा है। चुनाव लड़ते हुए वे प्रत्याशियों के बीच समन्वय बनाए रखने का संदेश दे रहे हैं। इस तरह से, महाराष्ट्र की राजनीतिक सीढ़ी पर हो रहे चुनाव रंग-बिरंगी हो गए हैं, जिसका परिणाम वोटर्स के हाथों में है।

कटाक्ष

क्षणिकाएं

आदमी की श्रेणी में
आदमी आदमी को
गधा कहता हैं
पर यह क्यों भूल जाता हैं
जिसे वह गधा कह रहा हैं
वह भी तो
आदमी की श्रेणी में आता हैं

लक्ष्य लेकर

आदमी यदि ठान लें
कि उसे प्रसिद्धि की
सीढ़ियां चढ़ना हैं
बहुत आगे बढ़ना हैं
तो अर्जुन सा
यदि लक्ष्य लेकर चलेगा
तब अवश्य ही
प्रसिद्धि की सीढ़ियां चढ़ेगा

आध्यात्मिक ज्ञान

यदि आपके पास हैं
आध्यात्मिक ज्ञान
उसको कोई भी
चुरा नहीं सकता है श्रीमान
अतः अपने भीतर के
आध्यात्मिक ज्ञान को
बांटे भरपूर
कहलाओगे जग के फिर नूर

बढ़ेंगे आगे

बेवजह हंसना सेहत के लिए
अच्छा नहीं होता है भाई
अतः हंसे वहां
जहां न हो जग हंसाई
ऐसा यदि आप करेंगे
जीवन में
आगे बढ़ेंगे

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा (म.प्र.)
457226, जिला रतलाम
मो. 9479662215

क्या योगी से भी कम सिंधिया की हैसियत ?

7 ये खबर है भी और नहीं भी कि ग्वालियर के स्वयंभू महाराज ,केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भाजपा के लिए अप्रयोज्य हो गए हैं ? यदि नहीं हैं तो उनका महाराष्ट्र और झारखण्ड के अलावा दूसरे चुनावों में इस्तेमाल नहीं किया जा रहा ,जबकि सिंधिया मप्र के गिने-चुने चमत्कारी नेता है जो भीड़ को खींचने में समर्थ है। आजकल मध्यप्रदेश में ये सवाल बार-बार उठ रहा है कि क्या भाजपा नेतृत्व ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को घर कि मुर्गी समझ लिया है ?

जन्मजात कांग्रेसी रहे केंद्रीय ज्योतिरादित्य सिंधिया वर्ष 2020 में अपने दल-बल के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे। सिंधिया 2019 का लोकसभा चुनाव हार गए थे किन्तु उसी साल हुए विधानसभा चुनाव में सिंधिया के अथक प्रयासों से मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन गयी थी। कांग्रेस की सरकार में सिंधिया को अपेक्षित महत्व नहीं मिला। तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ अनबन के बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी थी। सिंधिया परिवार को कांग्रेस से अलग होने में 46 साल लग गए। ज्योतिरादित्य सिंधिया से पहले 1967 में ज्योतिरादित्य सिंधिया की दादी राजमाता विजया राजे सिंधिया ने कांग्रेस से छोड़-छुट्टी की थी ।

बात आज की हो रही है । भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को पार्टी में शामिल करने के बाद सबसे पहले राज्य सभा भेजा,फिर केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया और बाद में 2023 के आम चुनाव में गुना लोकसभा चुनाव में टिकिट दिया । वे जीते तो उन्हें दोबारा केंद्रीय मंत्री बना दिया गया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संघ की शाखाओं में जाये बिना ही अपने आपको पूरी तरह से भाजपाई बनने का उपक्रम किया ,लेकिन आज 4 साल बाद भी भाजपा का मूल कार्यकर्ता सिंधिया को अपना नेता मानने की स्थिति में नहीं है। सिंधिया ने 2023 के मप्र विधान सभा चुनाव में भी बेहिसाब मेहनत की और इसके फलस्वरूप मप्र में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनी।

भाजपा के प्रादेशिक नेताओं और कार्यकर्ताओं की असहमति के बावजूद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सिंधिया पर खूब कृपा बरसा । अमित शाह ने तो सिंधिया के शाही जयविलास महल में जाकर शाही भोज का आनंद उठाया और खुद प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने सिंधिया स्कूल के समारोह में उपस्थित होकर सिंधिया को अपना दामाद बताकर उनके नंबर बढ़ाये।पार्टी हाई कमान के संरक्षण के बावजूद पहली बार सिंधिया कि उपेक्षा किसी के गले नहीं उत्तर रही है । सिंधिया महाराष्ट्र और झारखण्ड के विधानसभा चुनावों के साथ ही हो रहे अन्य उप चुनावों में भी कहीं प्रचार के लिए नहीं बुलाये गए।

ज्योतिरादित्य सिंधिया से पहले भाजपा ऐसा ही उपेक्षापूर्ण व्यवहार उनकी सगी बुआ राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती बसुंधरा राजे के साथ भी कर चुकी है । उन्हें 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया । लोकसभा चुनावों के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में नहीं लिया गया और तो और पार्टी संगठन में भी उन्हें कोई तरजीह नहीं दी गयी । जबकि उनका नाम अनेक अवसरों पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए भी चला। भाजपा सिंधिया से ज्यादा तवज्जो मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को दे रही है । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दे रही है। आज स्थिति ये है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया कि दशा उस मुर्गी जैसी हो गयी है जिसकी हैसियत अरहर की दाल जैसी होती है। सिंधिया कोमहारष्ट्र और झारखण्ड या उत्तर प्रदेश तो छोड़िये अपने गृह प्रदेश मध्यप्रदेश में हो रहे विधानसभा के 2 उपचुनावों में भी इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है । मप्र की विजयपुर सीट तो सिंधिया के अपने इलाके में है और इस सीट से उनके पुराने समार्थक पूर्व मंत्री रामनिवास रावत विधानसभा का चुनाव लड़ रहे है। रावत 2020 में सिंधिया के साथ भाजपा में नहीं आये थे । वे पिछले महीनों ही भाजपा में शामिल हुए हैं।आपको याद होगा कि सिंधिया को लेकर गुना के पूर्व संसद केपी यादव और ग्वालियर के वर्तमान संसद भारत सिंह भी असहज हैं। सिंधिया लगातार ग्वालियर के संसद भारत सिंह के क्षेत्र में मदाखलत कर रहे है। भारत सिंह प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंन्द्र सिंह तोमर के समर्थक और छात्र हैं। सिंधिया की उपेक्षा जानबूझकर की जा रही है या संयोगवश पार्टी हाईकमान को उनकी याद नहीं रही ये कहना कठिन है । सिंधिया का चेहरा चाकलेटी है, वे ओजस्वी वक्ता हैं और योगी आदित्यनाथ से ज्यादा आग उगल सकते हैं और सबसे बड़ी बात ये कि वे महाराष्ट्र में जाकर मराठी में भाषण भी दे सकते थे,किन्तु उनकी ये तमाम प्रतिभा धरी की धरी रह गयी । मुमकिन है कि मेरी सूचनाएँ आंशिक रूप से सही न भी हों किन्तु मुझे जो दिख रहा है ,वो ही मै लिख रहा हूँ । सिंधिया परिवार कि पिछली दो पीढ़ियों से मेरी निकटता रही है ,इसलिए मुझे तीसरी पीढ़ी के ज्योतिरादित्य सिंधिया कि उपेक्षा हजम नहीं हो रही। मै ज्योतिरादित्य सिंधिया का समर्थक भले न होऊं लेकिन विरोधी भी तो नहीं हू। अलबत्ता उनकी सामंती मानसिकता को लेकर मै हमेशा मुखर रहा हूँ। बहरहाल ज्योतिरादित्य का सूर्य फिर चमके तो बेहतर है । आखिर सिंधिया राजघराने के ग्वालियर अंचल से तीन सौ साल पुराने रिश्ते जो है।

राकेश अचल

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com